R. K. Advertising

के माध्यम से 'जैन गजट' में विज्ञापन बुक कराने हेतु सम्पर्क करें-
शेखर चन्द पाटनी
राष्ट्रीय संवाददाता-जैन गजट
मो. 9667168267
रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर
(आर. के. एडवरटाइजिंग)
मो. 8003892803
ईमेल
rkpatni77@gmail.com

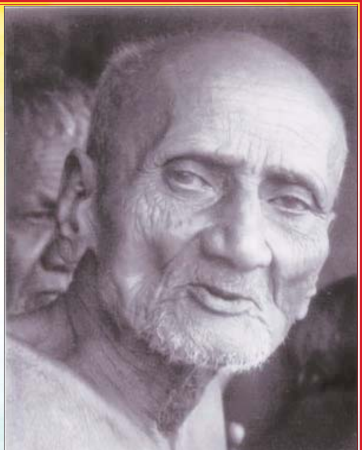

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य
चारित्र चक्रवर्ती
परम पूज्य आचार्य श्री शांति सागर जी

क्षमावाणी पर्व विशेषांक

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 45 कुल पृष्ठ 16 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 08 सितम्बर 2025, वीर नि. संवत् 2550

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

क्षमावाणी : मनोमालिन्य धोने का पर्व

विशेष सम्पादकीय

- डॉ. सुनील जैन संचय
सह सम्पादक

जैन धर्म का प्रत्येक पर्व आत्म कल्याण और समाज कल्याण का संदेश देता है। इन्हीं पर्वों में क्षमावाणी पर्व (क्षमा दिवस) एक अत्यंत पावन और प्रेरणादायी अवसर है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में वास्तविक महानता दूसरों को जीतने में नहीं, बल्कि अपने अहंकार को त्यागकर क्षमा माँगने और क्षमा देने में है।

विश्व के इतिहास में यह पहला पर्व है, जिसमें शुभकामना, बधाई, उपहार न देकर सभी जीवों से अपने द्वारा जाने-अनजाने में किए गए समस्त अपराधों के लिए क्षमायाचना करते हैं। क्षमा करने और क्षमा माँगने के लिए विशाल हृदय की आवश्यकता होती है। तीर्थंकरों ने सम्पूर्ण विश्व में शांति की स्थापना के लिए सूत्र दिया है -

खम्मामि सव्वजीवाणं
सव्वे जीवा खमंतु मे।
मित्ती मे सव्वभूदेसु
वेरं मज्झम ण केणवि।।

अर्थात् मैं सभी जीवों को क्षमा करता हूँ। सभी जीव मुझे भी क्षमा करें। मेरी सभी जीवों से मैत्री है। किसी के साथ मेरा कोई वैर भाव नहीं है। क्षमावणी का पर्व सौहार्द, सौजन्यता और सद्भावना का पर्व है। आज के दिन एक दूसरे से क्षमा मांगकर मन की कलुषता को दूर किया जाता है। मानवता जिन गुणों से समृद्ध होती है उनमें क्षमा प्रमुख और महत्वपूर्ण है। कषाय के आवेग में व्यक्ति विचार शून्य हो जाता है और हिताहित का विवेक खोकर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। लकड़ी में लगने वाली आग जैसे दूसरों को जलाती ही है, पर स्वयं लकड़ी को भी जलाती है। इसी तरह क्रोध कषाय को समझकर विजय पा लेना ही क्षमा धर्म है। हम जब तक अंदर से नहीं भीगेंगे तब तक क्षमावाणी की सार्थकता नहीं है।

रामधारी सिंह दिनकर ने कहा है कि क्षमा वीरों को ही सुहाती है। उन्होंने लिखा है कि क्षमा शोभती उस भुजंग को जिसके पास गरल हो, उसका क्या जो दंतहीन, विषहीन, विनीत सरल हो। क्षमा को सभी धर्मों और संप्रदायों में श्रेष्ठ गुण करार दिया गया है। जैन संप्रदाय में इसके लिए एक विशेष दिन का आयोजन क्षमावाणी के रूप में किया जाता है। मनोविज्ञानी भी क्षमा या माफी को मानव व्यवहार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यह इंसान की जिन्दगी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू है।

सत्त्वेषु मैत्री गुणिषु प्रमोदं क्लिष्टेषु
जीवेषु कृपापरत्वं।
माध्यस्थभावं विपरीतवृत्तौ,
सदा ममात्मा विदधातु देव ।।1।।

आचार्य भगवन अमितगति स्वामी की ये पंक्तियां, समता का पाठ पढ़ाने वाली ये पंक्तियां, सरलता और विवेकपूर्ण जीवन की आधारशिला होने के साथ साथ आज के समय में मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी एक कार्यकारी औषधि है।

क्षमावाणी पर्व हमारी वैमनस्यता, कलुषता बैर/दुश्मनी एवं आपस की तमाम प्रकार की टकराहटों को समाप्त कर जीवन में प्रेम, स्नेह, वात्सल्य, प्यार, आत्मीयता की धारा को बहाने का नाम है, हम अपनी कषायों को छोड़ें, अपने बैरों की गांठें को खोलें, बुराइयों को समाप्त करें, बदले, प्रतिशोध की भावना को नष्ट करें, नफरत/घृणा, द्वेष बंद करें, आपसी झगड़ों, कलह को छोड़ें। अनुसंधान कर्ताओं ने यह निष्कर्ष निकाला है कि लम्बे समय तक मन में बदले की भावना, ईर्ष्या/जलन और दूसरों के अहित का चिन्तन और प्रयास करने पर मनुष्य भावनात्मक रूप से बीमार रहने लगता है। जीवन में जब भी कोई छोटी-बड़ी परेशानी आती है तब व्यक्ति अपने मूल स्वभाव को छोड़कर पतन के रास्ते पर चल पड़ता है। जो कि सही नहीं है, हर व्यक्ति को अपना आत्मचिंतन करने के पश्चात सत्य रास्ता ही अपनाना चाहिए। हमारी आत्मा का मूल गुण क्षमा है। जिसके जीवन में क्षमा आ जाती है उसका जीवन सार्थक हो जाता है।

शेष पृष्ठ 5 पर.....

WONDERFUL 12 Nights / 13 Days
EUROPE
शुद्ध जैन भोजन किचन कारावैन के साथ
7 खुबसूरत देशो की सैर
10 Sep, 23 Sep, 25 Oct, 14 Nov
यूरोप जैन मंदिर के दर्शन
FRANCE, PARIS, ITALY
AUSTRIA, AMSTERDAM
GERMANY, SWITZERLAND
ला: नेमचंद जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
VAYUDOOT WORLD TRAVELS PVT. LTD.
Mob : +91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

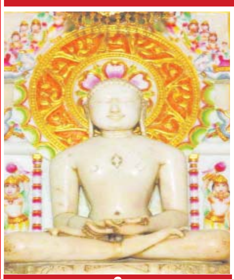

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण
LIVE
आरती : 7:15 - 7:45 AM
शांतिधारा : 8:30 AM
@jainmandirhasteda
नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:
अमित शर्मा (Manager)-9783016885
नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर
दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.
संपर्क सूत्रः
नितिन कुमार पाटनी (मंत्री)
9001255955
मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष)
095880-20330

JK MASALE SINCE 1997

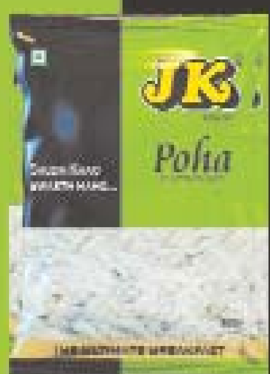

Buy online on jkcart.com
– Breakfast Matlab –
JK POHA
Shudh Khao Swasth Raho...

।। जय जिनेन्द्र ।।

।। मुनि 108 श्री गुणसागराय नमः ।।

।। जय जिनेन्द्र ।।

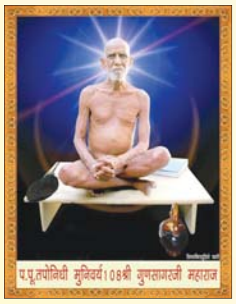

परम पूज्य वाणी सिद्ध मुनि 108 श्री गुणसागर जी महाराज का मंगलमय पावन आशीर्वाद

आर्यिका 105 गरिमामती माताजी

आर्यिका 105 गंभीरमती माताजी

जन्मतिथि
श्रावण सुदी सप्तमी
संवत 1994

स्वर्गारोहण
असोज बुदी दशमी
संवत् 2047 दिनांक
14 सितम्बर, 1990

हमारे प्रेरणास्त्रोत

श्रद्धेय स्व. श्री पुखराज जी बड़जात्या

"आपकी अनुकरणीय ओजस्वी, उत्कृष्ट धार्मिक, सामाजिक, व्यापारिक एवं पारिवारिक कर्तव्यबद्धता, सरलता, उदारता हम सभी का सदैव पथ प्रदर्शित करती रहेगी।"
क्षमावाणी के पावन पुनीत स्वर्णिम शुभ अवसर पर भारतवर्ष के समस्त श्रद्धालुओं से हृदय के गहन स्थन से हार्दिक क्षमा याचना व सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधु-संतों के पावन चरणों में शत शत नमन अभिनंदन

**आपकी 35वीं पुण्यतिथि 14 सितम्बर 2025 पर हम सभी परिजन विनम्र भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
पुण्यात्मा को कोटिशः कोटिशः शत-शत् नमन-वन्दन**

-: श्रद्धावनत :-

पन्नालाल, राजकुमार, महावीर प्रसाद बड़जात्या (भ्राता), श्रीमती शान्तिदेवी जैन (पत्नी), विमलकुमार-शांति जैन, प्रेमचंद-रेखा जैन (पुत्र-पुत्रवधु), मंजू देवी-सुखेश कुमार जी गंगवाल (केकड़ी), रंजुदेवी-अशोक कुमार जी कासलीवाल (मेडता), जूली-राजीव जी सोनी (कोटा), रीना-अनिल जी पाटनी (जयपुर) (पुत्री-दामाद), गरिमा-वीतराग जी गोधा (भीलवाड़ा), प्राची-शुभम जी पाटनी (जयपुर), आयुषी-सुयश जी लुहाड़िया-भीलवाड़ा, अनिषा-रिषभ जी काला-जयपुर (पौत्री-दामाद), अक्षत, दिव्यम (पौत्र) एवं समस्त बड़जात्या परिवार (मरवा वाले), मदनगंज-किशनगढ़

: प्रतिष्ठान :

❑ वर्धमान पल्सेज ❑ गुणसागर पल्सेज ❑ गुणसागर कोल्ड स्टोर एण्ड वेयरहाउस 14,15 ❑ गुणसागर एनर्जी स्टेशन
खोडा गणेशजी रोड, मदनगंज-किशनगढ़

GUNSAGAR PYROFUEL INDUSTRIES
Factory : Kh. No 73, Plot No 5, Gram-Bamhanganvan, Tehsil-Badwara, Dist-Katni 483773 (M.P.)
Regd. Office: Plot No. 9, Kh. No. 268, Near Pawan Stone Home, Harmara Road, Madanganj-Kishangarh

वर्धमान ट्रेडर्स
एफ-13, मंडीयार्ड, जयपुर रोड, मदनगंज-किशनगढ़
ऑफिसः ब्लाक-ए, प्रथम तल, विनायक कॉम्पलेक्स, क्रिस्टल पार्क के पास, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) राज.
फोनः 01463-245483

मो. 9414011841, 9314011841, 9829073683, 8764022841, 8764022843, 8107289854

संकलनः राजाबाबू गोधा, फागी जैन गजट संवाददाता फागी एवं राजस्थान

विश्व मैत्री पर्व क्षमा वाणी पर
हार्दिक क्षमायाचना के साथ

SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.

OFFICE
CITY TRADE CENTRE,
Near Athgaon Flyover, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 8638773711

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस-स्नेहा काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

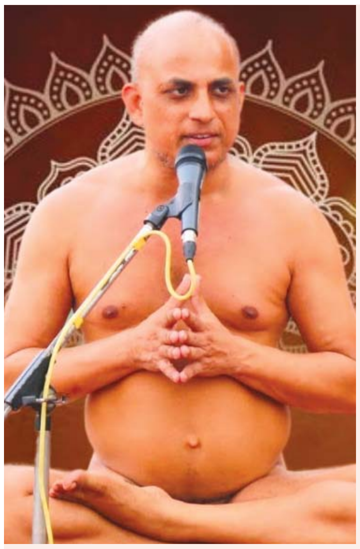

- मुनि प्रणम्य सागर जी

प्रत्येक आत्मा को मुक्ति का सामर्थ्य है

स्वराज जैन

अराजकता, अशांति, कष्ट और शक्ति का दुरुपयोग तब उत्पन्न होता है जब मानव मन आत्मा के वास्तविक स्वरूप से विमुख हो जाता है। दसलक्षण धर्म, दस गुणों का अर्थ धार्मिक नहीं है। यह आत्मा के अंतर्निहित गुणों पर ध्यान केंद्रित करना है। जैन दर्शन में धर्म को स्वभाव, किसी व्यक्ति या वस्तु की स्वाभाविक अवस्था के रूप में परिभाषित किया गया है। जब कोई व्यक्ति अपने वास्तविक स्वरूप का पालन करता है तो वह धर्म का पालन कर रहा होता है।

ये दस धर्म के विभाजन नहीं, बल्कि उसके घटक हैं। यदि एक गुण का पूर्णतः पालन किया जाए तो अन्य गुण स्वाभाविक रूप से आ जाते हैं। ध्यान केंद्रित साधना के लिए नाम अलग-अलग दिए गए हैं, ठीक उसी तरह जैसे शिक्षा में विषयों का विभाजन किया जाता है। उदाहरण के लिए क्षमा, मर्दन, विनम्रता, आर्जव, सरलता, शौच, पवित्रता, सत्य, तप, त्याग, आकिंचन्य, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और संतोष। जो व्यक्ति क्षमा का अभ्यास करता है, वह स्वाभाविक रूप से विनम्र और सरल भी बनता है, लेकिन ध्यान को तीव्र करने के लिए इन्हें अलग-अलग समझाया गया है। जिस प्रकार विद्यार्थी अनेक विषयों का अध्ययन करते हैं, लेकिन अंततः ज्ञान की एकता को प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार ये गुण एक ही सार के पहलू हैं। यदि कोई क्षमा से शुरुआत करता है और अपने सच्चे स्वरूप में स्थित रहता है, तो वह आत्म-साक्षात्कार की यात्रा पूरी कर लेता है। परिवार, समाज या राष्ट्र के प्रति गलत कार्य तब होते हैं जब व्यक्ति इन गुणों से भटक जाता है। क्रोध, अहंकार, लोभ और अधिकार-बोध व्यक्ति के सच्चे स्वरूप से विमुख होते हैं। जैन दर्शन कहता है - जब मन इन दस गुणों से जुड़ जाता है तो वह नियंत्रण में रहता है।

ये गुण बाहरी थोपे नहीं हैं ये आत्मा का अपना स्वभाव हैं। इनका अभ्यास मन को आत्मा के साथ एकाकार करता है। दसलक्षण धर्म उत्सव का वार्षिक पालन यह सुनिश्चित करता है कि वर्ष में कम से कम एक बार लोग स्वयं से पुनः जुड़ें। अव्यवस्था, उत्पीड़न या क्रूरता तभी उत्पन्न होती है जब लोग अपने सच्चे स्वरूप से संबंध खो देते हैं। जब कोई व्यक्ति इन गुणों का अभ्यास करता है तो वह दूसरों के लिए एक उदाहरण बन जाता है।

प्रत्येक आत्मा अनादि काल से कर्मों से बंधी हुई, शाश्वत किन्तु अपवित्र है। दस गुण आत्मा को शुद्ध करने वाले डिटर्जेंट के समान है। एक बार आत्मा शुद्ध हो जाने पर, वह इसी अवस्था में रहती है। प्रत्येक आत्मा अपने आप में पूर्ण है, किसी सार्वभौमिक समग्र का अंश नहीं। शुद्ध हो जाने पर, आत्मा अनंत ज्ञान और आनंद को प्राप्त करती है - यही मुक्ति है। जैन धर्म में ईश्वर कोई एक सर्वोच्च सत्ता नहीं, बल्कि प्रत्येक मुक्त

शेष पृष्ठ 5 पर......

Fly Goldfinch
Your Journey Has Just Begun...

International Travel Packages

Nirmal | Anita |Aashwin | Puja | Shubham | Nikita | Adhyan
Baj Family: Tinsukia (Assam) | Delhi |

गत वर्ष जाने-अनजाने हमारे द्वारा आपका मन दुखा हो तो
क्षमायाचना करते हुए मन, वचन और काया से
॥ मिच्छामी दुक्कड़म् ॥

Fly Goldfinch Travel Company | +91 81786 38182 | info@flygoldfinch.com

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

All India Digamber Jain Mahasabha

5 Khandelwal Digamber jain Mandir Complex, Raja Bazar, Cannaught Circus
New Delhi-110001, Office : +91-23344668, 23344668 e-mail - digjainmahasabba@gmail.com www.digjainmahasabha.org
dedicated for service to society & jain culture

गजराज जैन गंगवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, 98109 00009 | प्रकाशचन्द्र बड़जात्या, राष्ट्रीय महामंत्री, 9840213132 | पवन जैन गोधा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, 7011983128

02 सितम्बर 2025

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की कोर कमेटी की बैठक

(धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी, महिला महासभा) शनिवार दिनांक 23 अगस्त, 2025 को पूर्वाह्न 10:30 बजे महासभा कार्यालय, 5 खण्डेलवाल दिगम्बर जैन मंदिर काम्प्लैक्स, राजा बाजार, नई दिल्ली .110001 को महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में निम्नलिखित पदाधिकारी सदस्य उपस्थित थे, जिनके हस्ताक्षर उपस्थिति पुस्तिका में हैं:-

1. श्री गजराज जैन गंगवाल - राष्ट्रीय अध्यक्ष - महासभा
2. श्रीमती सरिता जैन - राष्ट्रीय अध्यक्षा - महिला महासभा
3. श्री रमेश जैन तिजारिया - राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष - महासभा
4. श्री प्रकाशचन्द जैन बड़जात्या - राष्ट्रीय महामंत्री - महासभा
5. श्री धर्मेन्द्र जैन सेठी - महासभा चेरिटेबिल ट्रस्ट-ट्रस्टी
6. श्री अशोक चुड़ीवाल - राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - तीर्थ संरक्षिणी
7. डॉ. निर्मल कुमार जैन - राष्ट्रीय महामंत्री - श्रुत संवर्धिनी महासभा
8. श्री पवन जैन गोधा - राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष - महासभा
9. श्री संदीप जैन - राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री - महासभा

विशिष्ट आमंत्रित

1. श्रीमती रंजना बाकलीवाल - राष्ट्रीय कार्याध्यक्षा - महिला महासभा
2. श्री श्यामलाल जैन - महासभा चेरिटेबिल ट्रस्ट-ट्रस्टी
3. श्री सुन्दरलाल डागरिया - उपाध्यक्ष - श्रुत सवर्धिनी महासभा
4. डॉ. ज्योत्सना जैन -राष्ट्रीय महामंत्री - महिला महासभा
5. श्री शरदराज कासलीवाल - महासभा चेरिटेबिल ट्रस्ट- ट्रस्टी
6. श्री प्रमोद जैन -महासभा चेरिटेबिल ट्रस्ट- ट्रस्टी
7. श्री महिपाल पहाड़िया- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - महासभा

सर्वप्रथम सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने मंगलाचरण का पाठ किया।

तत्पश्चात कोर कमेटी के सभी सदस्यों ने महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज गंगवाल तथा महिला महासभा राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सरिता जैन का हार्दिक अभिनन्दन किया।

➲ राष्ट्रीय महामंत्री - धर्म संरक्षिणी महासभा, श्री प्रकाशचन्द्र जैन बडजात्या ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों से अनुरोध किया कि हम सबको हर पंचकल्याणक में समारोह में उपस्थित होना चाहिए। हमारी संस्था 130 वर्ष पुरानी है। इसका एक अपना भवन दिल्ली में हो, इसका हमें प्रयास करना चाहिए। महासभा के सम्यक विकास के लिये सभी का साथ आवश्यक है। महासभा सम्पूर्ण दिगम्बर जैन समाज की संस्था है। महासभा के बारे में भ्रामक दुष्प्रचार का हमें विरोध करना चाहिए। श्रीमती सरिता जी के सद् प्रयास से 350 मंदिरों का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से हो रहा है।

➲ उपाध्यक्ष - श्रुत सर्वधिनी महासभा, श्री सुन्दरलाल डागरिया ने कहा कि महासभा के लिये अपना भवन दिल्ली में हो, हमें इसका प्रयास करना चाहिये।

➲ महासभा चेरिटेबिल ट्रस्टी श्री श्यामलाल जैन ने बैठक को बताया कि श्री गजराज जैन गंगवाल के आर्थिक सहयोग और समाजसेवियों के सहयोग से लगभग 70 करोड़ रूपये की लागत से विशाल 17 मंजिला त्रिलोक तीर्थ धाम, बड़ागांव बागपत जिले में बनकर तैयार हुआ है। श्री गजराज जैन की अध्यक्षता में यह तीर्थक्षेत्र फलफूल रहा है।

➲ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - महासभा, श्री महिपाल पहाड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि महासभा हमारा सर्वोच्च न्यायालय है। हमें इसको सुदृढ़ करने का प्रयास करना चाहिए।

➲ महासभा चेरिटेबिल ट्रस्टी श्री प्रमोद जैन ने कहा कि आज दिगम्बर समाज की एक मात्र संस्था हमारी महासभा है। हमें महासभा को सुसंगठित करने हेतु एक होकर प्रयास करना चाहिये। दिल्ली देश की राजधानी है। सारे कार्यकलाप दिल्ली से होते हैं। अतः महासभा का अध्यक्ष दिल्ली निवासी ही होना चाहिये।

➲ राष्ट्रीय महामंत्री - श्रुत सर्वधिनी महासभा, डॉ. निर्मल कुमार जैन ने अपने उदगार व्यक्त करते हुये बैठक को बताया कि सभी पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा और तन्मयता से महासभा के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। महासभा को समाज आशा भरी नजरों से देखता है। यह हमारा Supreme Court है। हमें महासभा के विकास के लिये मिलकर प्रयास करना है।

➲ राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री - महासभा, श्री सन्दीप जैन ने कहा कि गत एक माह में महासभा के बारे में भ्रामक विचार सोशल मीडिया आदि पर फैलाये गये। हमें सर्वसम्मत कार्य करना चाहिये जिससे महासभा का स्वाभिमान न झुके।

➲ उपाध्यक्ष - तीर्थ संरक्षिणी महासभा, श्री अशोक चुड़ीवाल ने सदस्यों को मिलकर महासभा के विकास में कार्यरत होने की आवश्यकता पर जोर दिया।

➲ राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष - महासभा, श्री पवन गोधा में कहा कि हमें एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप बंद करना चाहिये। हम लोगों को खुद अपने कार्यों का अवलोकन करना चाहिये कि हमने महासभा के लिये क्या योगदान किया है।

➲ महासभा चेरिटेबिल ट्रस्टी, श्री धर्मेन्द्र जैन ने अपने संबोधन में कहा कि अध्यक्ष श्री गजराज जी हम लोगों के प्रेरणा स्रोत हैं। महासभा के हर सदस्य का कार्य करने की प्रणाली अलग-अलग होती है। हमें सभी पदाधिकारियों को राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपना सर्वश्रेष्ठ सहयोग करना चाहिये। हमें एक होकर महासभा के विकास में योगदान करना होगा।

➲ महिला महासभा की महामंत्री ज्योत्सना जैन ने बताया कि महिला महासभा के अधिकाशं खर्चे को महिला महासभा अध्यक्षा वहन करती हैं। डॉ. ज्योत्सना जी ने पूर्व अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार सेठी जी को याद करते हुये कहा कि वे सदैव महिलाओं को प्रोत्साहित करते थे तथा उनके कल्याण का कार्य करते रहते थे।

भोजनावकाश के बाद

➲ महासभा के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष श्री रमेश जैन तिजारिया ने श्रीमती सरिता जैन का नाम महासभा के आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावित किया जिसका डॉ. निर्मल कुमार जैन व श्री सुन्दरलाल डागरिया ने समर्थन किया व उपस्थित सदस्यों ने कहा कि आगामी चुनाव में सरिता जी जैन के नाम पर आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाये।

➲ तदुपरान्त महासभा चेरिटेबिल ट्रस्टी श्री शरदराज कासलीवाल ने कहा कि महासभा के त्रैवार्षिक चुनाव हेतु मतदाता सूची में सत्यापित हेतु गठित श्री धर्मेन्द्र जैन सेठी की रिपोर्ट महासभा के अध्यक्ष को शीघ्र सुपुर्द करें। इसके बाद अध्यक्ष महोदय महासभा के आगामी त्रैवार्षिक चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ करें। उन्होंने यह भी कहा कि महासभा की पुरानी मतदाता सूची सही है जिसके आधार पर 2021 में चुनाव सम्पन्न हुआ था वह वैध है।

➲ महिला महासभा राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सरिता जैन ने सदस्यों से अनुरोध किया कि वे आपसी वैमनस्य को भूलकर महासभा और दिगम्बर समाज के विकास में योगदान करें। सभी ने इसकी अनुमोदना की।

➲ श्री प्रकाशचन्द्र बड़जात्या जी ने कहा वर्तमान परिस्थितियों में, मैं महासभा के आगामी त्रैवार्षिक चुनाव में प्रत्याशी नहीं बनूँगा। अध्यक्ष श्री गजराज गंगवाल जी ने इसका समर्थन करते हुये और महासभा की वर्तमान परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यदि आगामी त्रैवार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति बनती है तो वे यह दायित्व ग्रहण करने को तैयार हैं। किंतु यदि किसी प्रकार का विरोध या मतभेद उत्पन्न होता है तो वे अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ना चाहेंगे।

➲ अध्यक्ष श्री गजराज गंगवाल जी ने संबोधन में कहा कि श्री निर्मल कुमार सेठी जी के देवलोक उपरान्त मैंने महासभा के अध्यक्ष का दायित्व संभाला। मेरे प्रयासों से महासभा का अत्यधिक विस्तार हुआ है। 54 लाख रुपये से बढ़कर महासभा का फंड लगभग 1 करोड़ 12 लाख हो गया। मैंने 40 लाख रुपये खर्च कर महासभा के कार्यालय का जीर्णोद्धार किया। जैन राजनैतिक चेतना मंच को सुसंगठित किया।

➲ महासभा चुनाव से संबंधित कोई भी सूचना 'जैन गजट' में प्रकाशित हुए बिना सोशल मिडिया पर प्रसारित न की जाए और न ही किसी प्रकार से पदाधिकारियों को भ्रमित किया जाए। यदि ऐसा किया गया तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस निर्णय का सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से समर्थन किया।

विस्तृत विचार-विमर्श के बाद कोर कमेटी ने यह निर्णय लिया कि आगामी त्रैवार्षिक चुनाव हेतु मतदाता सूची के सत्यापन हेतु श्री धर्मेन्द्र सेठी जी की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद गठित समिति द्वारा सत्यापित होने के बाद ही आगामी त्रैवार्षिक चुनाव प्रक्रिया महासभा की नियमावली के अनुसार ही चुनाव की कार्यवाही की जायेगी। मीटिंग में आये सभी पदाधिकारियों ने इसका समर्थन किया।

अध्यक्ष महोदय को धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्यवाही स्थगित हुई।

गजराज जैन गंगवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार,
संवाददाता, कोटा (राज)
मो. 9414764980

मनुष्य के जीवन में क्षमा का बहुत बड़ा महत्व है

मनुष्य के जीवन में क्षमा का बहुत बड़ा महत्व है। अगर कोई इंसान गलती कर दे और उसके लिए तुरंत माफी मांग ले तो सामने वाले का गुस्सा काफी हद तक दूर हो जाता है। क्षमा मांगना व्यक्तित्व का एक अच्छा गुण है। इसी तरह किसी को क्षमा कर देना भी अच्छे व्यक्तित्व की पहचान है। यदि आदमी गलती कर दे, लेकिन उसके लिए माफी नहीं मांगे और कोई आदमी माफी मांगने पर भी सामने वाले को माफन करे तो ऐसे लोगों के व्यक्तित्व में अहंकार संबंधी विकार पैदा हो जाता है। दोनों ही तरह के व्यक्ति अपराध से कभी मुक्त नहीं हो पाते हैं। अपनी गलती पर माफी न मांगना और माफी मांगने पर सामने वाले को माफ न करने का मतलब यही हुआ कि ऐसे व्यक्ति स्वयं से जहर पीते हैं। मनुष्य जीवन इतना लंबा और अटपटा है कि यदि क्षमा मांगने और देने का गुण व्यक्ति में नहीं है तो उनका जीवन बड़ा कष्टकारी बन जाता है। मांगने से अहंकार खत्म हो जाता है, जबकि क्षमा करने से संस्कार बनते हैं। कवि रामधारी सिंह दिनकर कहते हैं कि क्षमा वीरों को ही सुहाती है। जो व्यक्ति, सामने वाले को क्षमा कर देते हैं, उसकी चर्चा चारों दिशाओं में फैल जाती है। रहीमदास जी कहते हैं कि छोटे गलती भी कर दें तो बड़ों को उन्हें माफ कर देना चाहिए। क्षमा को शीलवान का शस्त्र, प्रेम का परिधान और नफरत का निदान कहा गया है। यदि सामने वाला किसी की गलती को माफकरता है तो उस व्यक्ति की सहायता करता है, साथ ही स्वयं की सहायता भी करता है। क्षमा करने के लिए व्यक्ति को अपने अहम को खत्म करना पड़ता है और एक सहनशील व्यक्ति ही इसे कर सकता है। महात्मा गांधी कहते हैं कि कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। सभी धर्मों में क्षमा को श्रेष्ठ गुण बताया गया है। बाकायदा जैन संप्रदाय में इसके लिए एक दिन विशेष आयोजन किया जाता है। महावीर ने क्षमा मांगने से अधिक क्षमा करने को महान बताया है। मनोविज्ञान भी कहता है कि गलती करना भी इंसान का एक गुण है, क्योंकि पूरी सावधानी बरतने पर भी मनुष्य जीवन में कहीं न कहीं त्रुटियां हो ही जाती हैं, लेकिन अपनी गलती के लिए माफी मांगना और सामने वाले का उसे माफकर देना इंसानियत का श्रेष्ठ गुण है। जिस व्यक्ति के पास क्षमा का गुण है, वे हमेशा प्रसन्नचित रहते हैं और उसके शत्रु भी नहीं होते हैं।

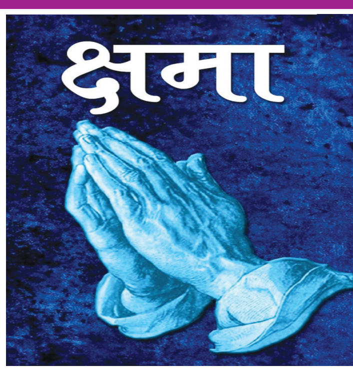

श्री पं. जीवनलाल जी शास्त्री का संल्लेखना समाधि पूर्वक समाधिमरण

देश के सुप्रसिद्ध मूर्धन्य विद्वान एवं सिद्धांताचार्य, आयुर्वेदाचार्य थे पंडित जी

स्वराज जैन, टाइम्स आफ इंडिया

ललितपुर में गत दिनांक 2 सितंबर 2025 को प्रातः 9:45 बजे दसलक्षण पर्व में उत्तम संयम धर्म के दिन ललितपुर में विराजमान वैज्ञानिक संत परम पूज्य जैन आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में जैन समाज के सुप्रसिद्ध मूर्धन्य विद्वान सिद्धांताचार्य श्री पंडित जीवनलाल जी जैन शास्त्री का संल्लेखना समाधि पूर्वक समाधिमरण हो गया। संल्लेखना से एक दिन पूर्व परम पूज्य आचार्य श्री निर्भय सागर जी महाराज ने पूज्य पंडित जी को अपना महत्वपूर्ण संबोधन भी प्रदान किया था, ज्ञात हो कि आपकी धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी जैन का भी आचार्य श्री शिष्या परम पूज्य आर्यिकारत्न श्री आदर्शमति माताजी ससंघ के सानिध्य में उनके ललितपुर चातुर्मास के दौरान सातवीं प्रतिमा के व्रत लेकर सम्यक मां के रूप में क्षेत्रपाल जी ललितपुर में हुआ था समाधीमरण। आप श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा जैन गजट कार्यालय में गत 38 वर्षों से प्रबंधक, प्रकाशक एवं वर्तमान में जैन गजट सम्पादक पद पर कार्यरत सुधेश कुमार जैन के पूज्य पिताजी थे। पूज्य पंडित जी 93 वर्ष के थे और आपका जन्म सन 1933 में सागर जिले के बिदवासन ग्राम में हुआ था, आपके पिता श्री बाबूलाल जी जैन थे, आप अपने पीछे सुपुत्र श्री हर्ष कुमार जैन पुत्रवधू श्रीमती लक्ष्मी जैन, चक्रेश कुमार जैन, सुधेश कुमार जैन श्रीमती बबली जैन, राजेश कुमार जैन श्रीमती शैली जैन, मनोज जैन श्रीमती मुक्ता जैन तथा एक सुपुत्री श्रीमती चंद्रकांता जैन एवं दामाद जी श्री राजेंद्र कुमार जैन इलाहाबाद का भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं, आपने श्री गोपाल दिगंबर जैन सिद्धांत संस्कृत महाविद्यालय मुरैना, श्री स्याद्वाद सिद्धांत संस्कृत महाविद्यालय ललितपुर में प्राचार्य के पद पर रहकर जैन धर्म के शिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आपने श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन संघ मथुरा के कार्यालय में प्रबंधक पद पर रहकर साप्ताहिक मुख पत्र जैन संदेश के प्रकाशन का कार्य भी बड़े ही अच्छे ढंग से संभाला था, इससे पूर्व आपने रहली पटना, शाहपुर, शाढ़ौरा, कोलारस, आगरा आदि जगहों पर रहकर भी जैन धर्म की महती धर्म प्रभावना की। आप आयुर्वेदाचार्य एवं सिद्धांत शास्त्री भी थे, आपने अपना अध्ययन कार्य श्री मोराजी विद्यालय सागर एवं संस्कृत महाविद्यालय बनारस में किया। आप प्रतिवर्ष दसलक्षण पर्व में अनेक वर्षों तक जैन धर्म की प्रभावना हेतु देश के विभिन्न जगहों पर जाते रहे। सबसे महत्वपूर्ण अत्यंत पुरानी बात है कि जब आप मुरैना विद्यालय में प्राचार्य के पद पर थे उस समय संत शिरोमणि परम पूज्य आचार्य भगवन श्री विद्यासागर जी महाराज का ससंघ आगमन मुरैना में हुआ था तब आचार्य श्री अपना प्रवचन पूज्य पंडित जी के आने के पश्चात् ही प्रारंभ करते थे और कहते थे कि गणधर को आ जाने दीजिये। आप भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद एवं विद्वत परिषद के भी कई वर्षों तक सदस्य रहे और उसके अधिवेशन एवं शिविर आदि में सम्मिलित होते रहे, आपने हस्तिनापुर एवं सोनागिर में रहकर कई परम पूज्य जैन मुनिराज को भी जैन धर्म का अध्यापन कार्य कराया, कई ब्रह्मचारिणी बहिनों को जैन धर्म का अध्ययन कार्य करवाया। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज जैन गंगवाल, कार्याध्यक्ष श्री रमेश चंद जैन तिजारिया, महामंत्री श्री प्रकाशचंद जी बड़जात्या, कोषाध्यक्ष श्री पवन जी गोधा, दिगम्बर जैन पंचायत ललितपुर तथा ललितपुर की अनेक संस्थाओं ने तथा महासभा के अनेक केंद्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों, महासभा कार्यालय लखनऊ दिल्ली के स्टाफ ने, जैन गजट परिवार, संवाददाता मंडल तथा देश-विदेश के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस अपूरणीय क्षति पर गहन शोक एवं श्रद्धांजलि व्यक्त की है।

शेष पृष्ठ 3 का......... आत्मा है। इसलिए, अनंत देवता हैं, कोई भी आत्मा शुद्धि के माध्यम से ईश्वरत्व प्राप्त कर सकती है। जैन धर्म का मानना है कि प्रत्येक आत्मा में मुक्ति की क्षमता है। जो बंधनों से परे हो जाता है, वह ईश्वर बन जाता है। सभी आत्माएँ समान हैं, लेकिन कर्म के अनुसार उनकी अवस्थाएँ भिन्न होती हैं।

अस्तित्व के चार लोक हैं – मानव, तिर्यंच, पशु, वनस्पति, देव, आकाश और नरक। आत्माएँ मुक्ति तक इन्हीं लोकों में विचरण करती हैं। देव, मुक्त आत्माओं के समान नहीं हैं। वे सुख और शक्तियों का भोग करते हैं, लेकिन केवल एक मुक्त आत्मा, जो शरीर और मन से मुक्त है, को ही भगवान कहा जाता है।

आत्मा का सार चेतना है – जानने और समझने की शक्ति। यह शक्ति पुस्तकों, लकड़ी या पत्थर जैसे निर्जीव पदार्थों में विद्यमान नहीं है। निगोद, अस्तित्व की निम्नतम अवस्था से, आत्माएँ धीरे-धीरे विकसित होती हैं, विभिन्न रूपों में प्रवास करती हैं। आत्माएँ शाश्वत हैं - वे कभी नई नहीं बनतीं, केवल रूपांतरित होती हैं, ठीक पदार्थ की तरह, जिसे न तो बनाया जा सकता है और न ही नष्ट किया जा सकता है। साक्षात्कार - सोनल श्रीवास्तव

शेष पृष्ठ 1 का... किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और० आत्म ग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। क्षमा करने की प्रक्रिया में क्षमा करने वाला क्षमा पाने वाले से कहीं अधिक सुख पाता है। अगर आप किसी की भूल को माफ करते हैं तो उस व्यक्ति की सहायता तो करते ही हैं साथ ही साथ स्वयं की सहायता भी करते हैं।

तपस्या के माध्यम से ही ज्ञान की शान होती है - आचार्य श्री शांति सागर

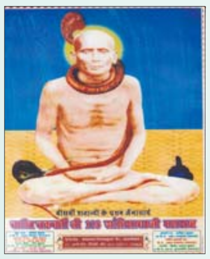

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती परम पूज्य आचार्य श्री 108 शांतिसागर जी महाराज के चरणों में शत् शत् वंदन शत् शत् नमन।

-: नमनकर्ता :-

राजेन्द्र कटारिया
अहमदाबाद

हीरालाल-श्रीमती बीना बैनाड़ा
आगरा

दिवोय बैनाड़ा
आगरा

विवेक काला
जयपुर

श्रीपाल सबलावत रेडिप्रिण्ट
जयपुर

श्रीमती सुलोचना देवी पाण्ड्या
निवासी देह, प्रवासी सूरत

प्रकाश चन्द्र-सरला देवी पाटनी
निवासी-सुजानगढ़, प्रवासी शिलौंग

नरेन्द्र कुमार पाण्ड्या
निवासी सुजानगढ़ प्रवासी जोरहाट

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

परिश्रम से अर्जित धन, सौभाग्य का दाता होता है - आचार्य श्री विद्या सागर

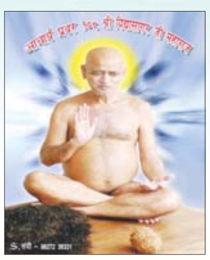

जन्मजात संस्कारवान, बालयोगी, दृढ़-निश्चयी, तरूणामयी तपस्वी, निस्पृहता की जीवंत प्रतिमा, महासंघनायक, दिगम्बर मानसरोवर के राजहंस, श्रेष्ठ गुरू के श्रेष्ठ शिष्य, श्रेष्ठ शिष्यों के श्रेष्ठ गुरू, महाकवि, अनेक तीर्थों के प्रणेता, संयम रूपी नौका के खेवटिया, श्रमण परम्परा के उदीयमान नक्षत्र, जिन धर्मप्रभावक, वात्सल्य मूर्ति, दूर दृष्टि, करूणामूर्ति, निकट भव्य

परम पूज्य, संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्या सागर जी महाराज के चरणों में शत् शत् नमन

-: नमनकर्ता :-

सौभाग्यमल कटारिया
अहमदाबाद

व. प. मूलचन्द जी लुहाड़िया
किशनगढ़ के परिवारजन

स्व. ताराचंद गंगवाल
किशनगढ़ के परिवारजन

दीपका रारा
किशनगढ

नागरमल अजमेरा स्व. विमला देवी
अजमेरा निवासी सीकर, प्रवासी-सूरत

विकास पाटनी
निवासी रानौली, प्रवासी सूरत

नीरज गदिया
निवासी अजमेर, प्रवासी सूरत

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

जैन गज़ट विज्ञापन संपर्क 9415108233
अच्छाई खोजने में पूरा जीवन लग जाता है।
www.Jaingazette.com 7607921391
सोमवार, 08 सितम्बर 2025 jaingazette2@gmail.com 11

सम्पूर्ण भारत में विराजित आचार्यो, मुनिराजों, आर्यिका माताजी के चरणों में, उनके रत्नत्रय में उत्तरोत्तर वृद्धि एवं उनके स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना के साथ शत् शत् नमन् वंदन

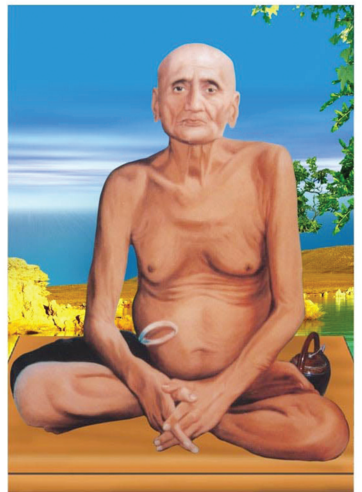
प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शान्तिसागरजी महाराज

प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी महाराज

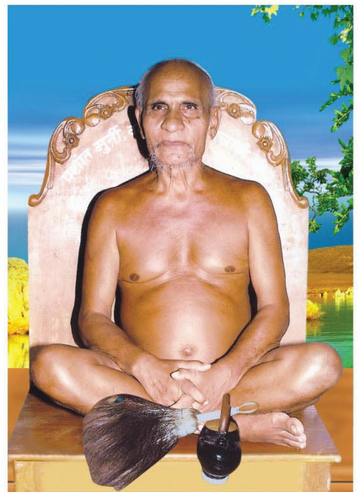
प.पू. षष्ट्म पट्टाचार्य 108 श्री अभिनंदनसागर जी महाराज

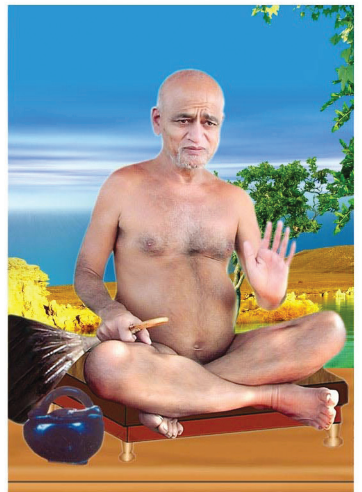
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

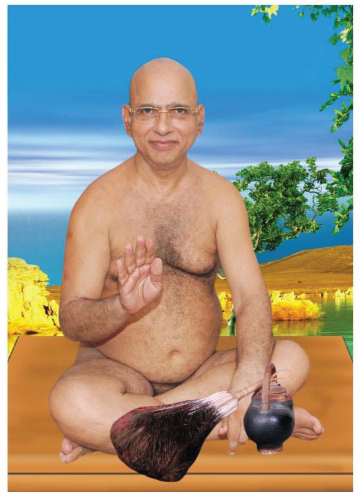
प.पू. आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

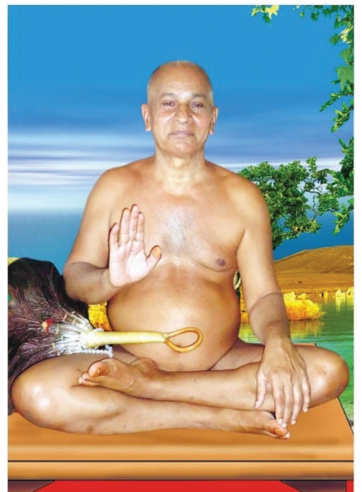
प.पू. गणधराचार्य 108 श्री कुन्थुसागर जी महाराज

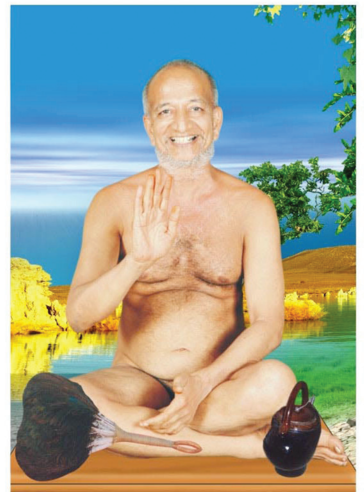
प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्तसागर जी महाराज

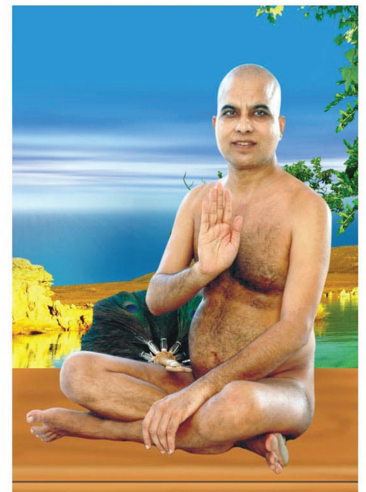
प.पू. आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

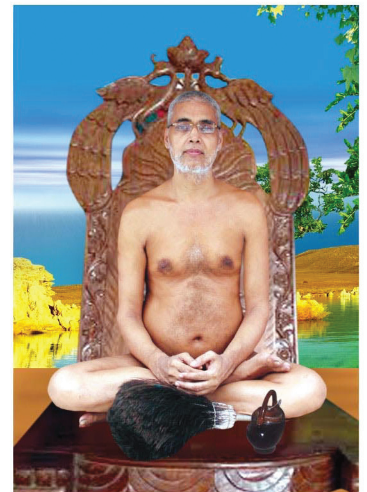
प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री अनेकान्तसागर जी महाराज

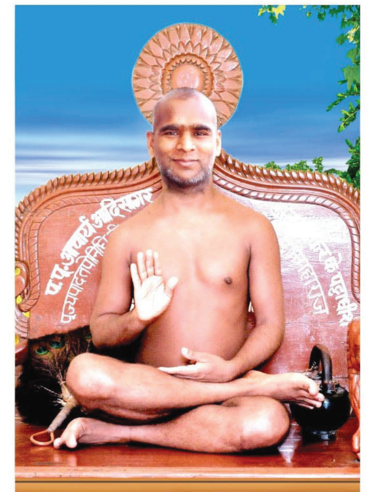
प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागर जी महाराज

परम पूज्य भारत गौरव
आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

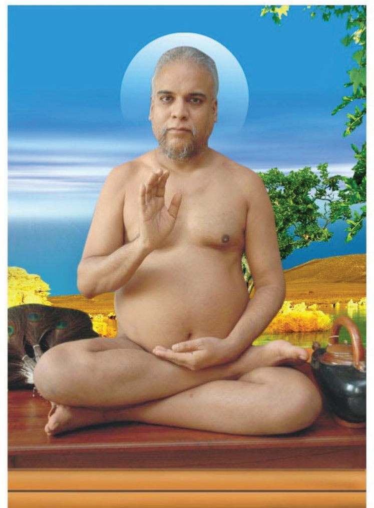
प.पू. आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

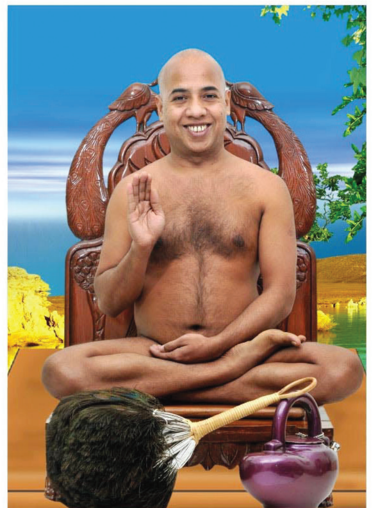
प.पू. आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

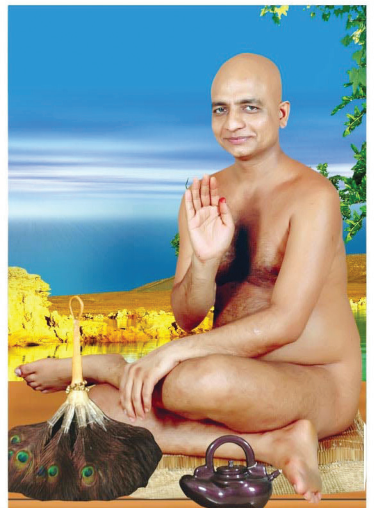
प.पू. आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

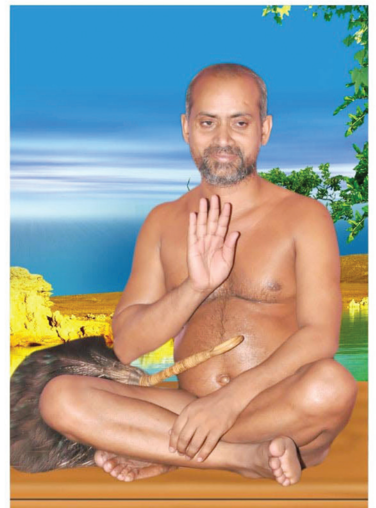
प.पू. आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज

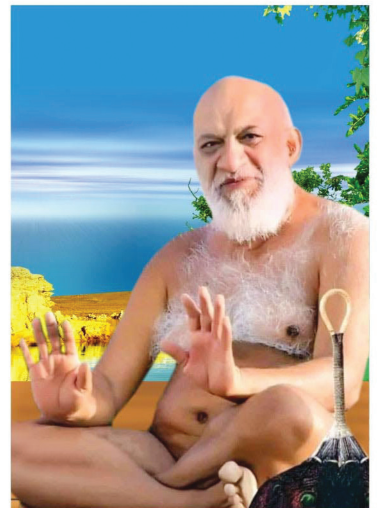
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

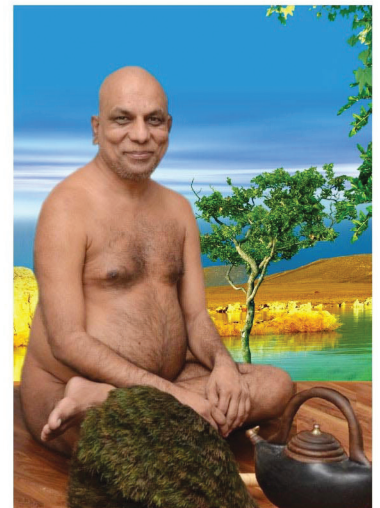
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री प्रमाणसागर जी महाराज

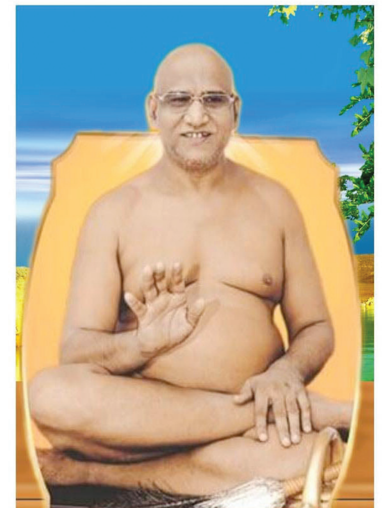
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

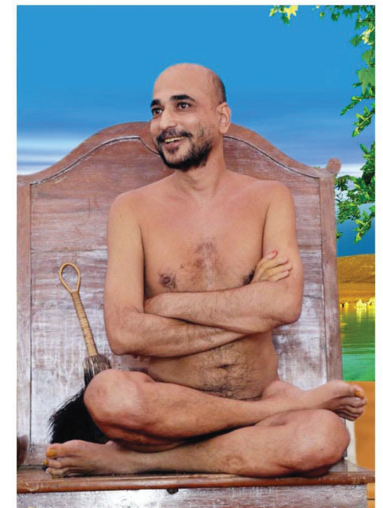
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पूज्यसागर जी महाराज

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुप्रकाशमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 पूर्णमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विन्ध्यश्री माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुभूषणमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 चन्दनामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 प्रज्ञामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभुषण माताजी

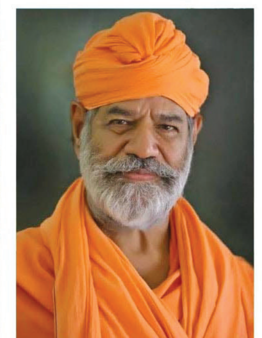
स्वस्तिश्री चारूकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन साधु संतों के पावन चरणों में कोटिशः हार्दिक नमन् वंदन अभिनंदन क्षमा पर्व पर हार्दिक क्षमायाचना

दानवीर धर्मात्मा नगरी गुवाहाटी के पुण्यार्जक/नमनकर्ता

स्व. कन्हैयालाल बड़जात्या मरवावाले
राजीव गंगवाल किशनगढ़
श्रीमती ऋषिका गंगवाल किशनगढ़
श्रीमती सुलोचना देवी पहाडिया गुवाहाटी
श्रीमती आशा देवी झांझरी गुवाहाटी

महावीर प्रसाद अजमेरा गुवाहाटी
अनन्त कुमार जैन गुवाहाटी
संतोष कुमार बड़जात्या गुवाहाटी
कोमल कुमार पहाड़िया गुवाहाटी
श्रीमती मंजू देवी छाबड़ा गुवाहाटी

गुप्त सज्जन गुवाहाटी
श्रीमती पुष्पा देवी बगड़ा गुवाहाटी
श्रीमती विनिता सोगानी गुवाहाटी
आयुष रारा गुवाहाटी
श्रीमती संतोष जैन पहाडिया गुवाहाटी

राजेश कुमार सेठी गुवाहाटी
श्रीचन्द कासलीवाल गुवाहाटी
श्रीमती सरिता पाड्या गुवाहाटी
श्रीमती प्रेमलता चांदूवाड गुवाहाटी
श्रीमती उगम देवी बड़जात्या गुवाहाटी

श्रीमती कृतिका पाटनी
अजित कुमार छाबड़ा
मोहनलाल सेठी
श्रीमती पाना देवी
विनित कुमार पाटनी डिमापुर

श्रीमती मोनिका पाटनी डिमापुर
टिकम चन्द पाड्या
सुभाष चन्द बगड़ा
मुकेश पाटनी
संयम बगड़ा डिमापुर

श्रीमती कान्ता पहाड़िया
श्रीमती बन्दना छाबडा
चन्द्रकान्ता कोचर
गुप्त सज्जन केदार रोड
इन्द्रा छाबड़ा केदार रोड

सरोज गंगवाल
रत्नमणी सेठी
अनिता पूजा ग्रुप
कमल कुमार रॉवका
अभिषेक छाबड़ा

विज्ञापन प्रेषकः शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, R. K. Advertising हेड ऑफिस-मदनगंज-किशनगढ़, ब्रान्च ऑफिस-जयपुर, इंदौर, सूरत, मुम्बई, गुवाहाटी, कोलकाता मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

स्थापित श्री वीर निर्वाण सम्वत् 2421 सन् 1894 Estd. 1895

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

(धर्म, तीर्थ, श्रुत, महिला, युवा)

Khandelwal Digamber Jain Mandir Complex, Raja Bazar, Connaught Circus New Delhi-110001,
Office: +91-11-2334 4668, 2334 4669
Email: digjainmahasabha@gmail.com, Website: www.digjainmahasabha.org

प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्यश्री शांति सागर जी महाराज

जैन पंचांग

सितम्बर 2025

दिनांक	चंद्र संचार	जाप	बैंक
1	धनु 19/55		
2	धनु		
3	मकर 29/21		
4	मकर		
5	मकर		
6	कुंभ 11/21		
7	कुंभ		
8	मीन 14/29		
9	मीन		
10	मेष 16/03		
11	मेष		
12	वृष 17/30		
13	वृष		
14	मिथुन 20/03		
15	मिथुन		
16	कर्क 24/28		
17	कर्क		
18	कर्क		
19	सिंह 07/05		
20	सिंह		
21	कन्या 15/57		
22	कन्या		
23	तुला 26/56		
24	तुला		
25	तुला		
26	वृश्चिक 15/23		
27	वृश्चिक		
28	धनु 27/55		
29	धनु		
30	धनु		

रवि	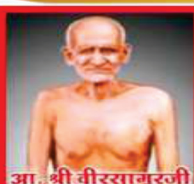 आ. श्री वीरसागरजी	भाद्रपद शुक्ल 15 23/38 **7** राक्षस शतभिषा 21/41 पूर्णिमा, पंचक रत्नत्रय व्रत पूर्ण	आश्विन कृष्ण 8 27/06 **14** रोहिणी 08/41	आश्विन कृष्ण 30 25/23 **21** पू.फा. 09/32 अमावस	आश्विन शुक्ल 6 14/27 **28** ज्येष्ठा 27/57
सोम	भाद्रपद शुक्ल 9 26/43 **1** छत्र ज्येष्ठा 19/55 उत्तम सत्य	आश्विन कृष्ण 1 21/11 **8** मुसल पू.भा. 20/02 पंचक, क्षमा वाणी षोडशकारण व्रत पूर्ण	आश्विन कृष्ण 9 25/31 **15** आनन्द मृगशिरा 07/31	आश्विन शुक्ल 1 26/55 **22** श्रीवत्स उ.फा. 11/24	आश्विन शुक्ल 7 16/31 **29** कालदंड मूल 30/17
मंगल	भाद्रपद शुक्ल 10 27/53 **2** छत्र मूल 21/51 उत्तम संयम सुगंध दशमी	आश्विन कृष्ण 2 18/28 **9** सिद्धि उ.भा. 18/07 पंचक	आश्विन कृष्ण 10 24/21 **16** ध्वज आर्द्रा 06/46 सूर्य कन्या में	आश्विन शुक्ल 2 28/51 **23** सौम्य हस्त 13/40 त्रिपुष्कर योग	आश्विन शुक्ल 8 18/06 **30** मित्र पू.षा. दिन-रात
बुध	भाद्रपद शुक्ल 11 28/21 **3** श्रीवत्स पू.षा. 23/08 डोल ग्यारस उत्तम तप	आश्विन कृष्ण 3 15/37 **10** उत्पात रेवती 16/03 पंचक	आश्विन कृष्ण 11 23/39 **17** शुभ पुनर्वसु 06/26	आश्विन शुक्ल 3 31/06 **24** कालदण्ड चित्रा 16/16	आ. शान्तिसागरजी छाणी
गुरु	भाद्रपद शुक्ल 12 28/08 **4** सौम्य उ.षा. 23/44 उत्तम त्याग	आश्विन कृष्ण 4 12/45 **11** मानस अश्विनी 13/58	आश्विन कृष्ण 12 23/24 **18** शुभ पुष्य 06/32 गुरु-पुष्य योग	आश्विन शुक्ल 4 दिन-रात **25** स्थिर स्वाती 19/09	मुनि श्री सुधासागरजी
शुक्र	भाद्रपद शुक्ल 13 27/12 **5** श्रवण 23/38 उत्तम आकिंचन रत्नत्रय व्रत प्रारंभ शिक्षक दिवस शासकीय अवकाश	आश्विन कृष्ण 5-6 09/58-31/23 **12** मुद्गर भरणी 11/58	आश्विन कृष्ण 13 23/36 **19** आश्लेषा 07/05	आश्विन शुक्ल 4 09/33 **26** मातंग विशाखा 22/09	मुनि श्री समतासागरजी
शनि	भाद्रपद शुक्ल 14 25/41 **6** वर्धमान धनिष्ठा 22/55 पंचक दशलक्षण व्रत पूर्ण उत्तम ब्रह्मचर्य अनंत चतुर्दशी	आश्विन कृष्ण 7 29/04 **13** ध्वज कृत्तिका 10/11 त्रिपुष्कर योग सूर्य उ.फा. में	आश्विन कृष्ण 14 24/16 **20** छत्र मघा 08/05	आश्विन शुक्ल 5 12/03 **27** अमृत अनुराधा 25/08 सूर्य हस्त में	मुनि श्री स्वभावसागरजी

सर्वार्थ सिद्धि योग

ता. 5-06/12 बजे से 23/38 बजे तक। ता. 9-06/12 बजे से 18/07 बजे तक। ता. 11-06/12 बजे से 13/58 बजे तक। ता. 13-10/11 बजे से 30/13 बजे तक। ता. 15-06/13 बजे से 07/31 बजे तक। ता. 21-09/32 बजे से 30/15 बजे तक। ता. 26-22/09 बजे से 30/17 बजे तक। ता. 28-27/55 बजे से 30/17 बजे तक।

सूर्योदय सूर्यास्त

ता.	सूर्योदय	सूर्यास्त
3	06.10	18.42
8	06.11	18.37
13	06.13	18.32
18	06.14	18.27
23	06.16	18.22
28	06.17	18.17
30	06.18	18.15

1 सितम्बर सूर्योदय का लग्न चक्र

पंचक

ता. 6-11/21 बजे से ता. 10-16/03 बजे तक।

तीर्थंकर दर्पण

6 भ. वासुपूज्यजी –मोक्ष
9 भ. नमिनाथजी –गर्भ
22 भ. नेमिनाथजी –ज्ञान
30 भ. शीतलनाथजी –मोक्ष

आचार्य दर्पण

10 निर्यापक मुनिश्री सुधासागरजी –मुनि दीक्षा
10 निर्यापक मुनिश्री समतासागरजी –मुनि दीक्षा
10 मुनिश्री स्वभावसागरजी –मुनि दीक्षा
10 मुनिश्री समाधिसागरजी –मुनि दीक्षा
10 मुनिश्री सरलसागरजी –मुनि दीक्षा
14 आचार्यश्री विद्यानंदजी –समाधि
17 आचार्यश्री शान्तिसागरजी (छाणी) –मुनि दीक्षा
21 आचार्यश्री वीरसागरजी –समाधि

माह के प्रमुख व्रत

1 पुष्पांजली व्रत पूर्ण
2 सुगन्ध दशमी
2 अनन्तव्रत प्रारंभ
5 रत्नत्रय व्रत प्रारंभ
6 दशलक्षण व्रत पूर्ण
6 अनन्तव्रत पूर्ण
6 अनन्त चतुर्दशी
7 रवि व्रत
7 रत्नत्रय व्रत पूर्ण
8 षोडशकारण व्रत पूर्ण
8 क्षमावाणी
8 मेघमाला व्रत पूर्ण
12 मुक्तावली व्रत
14 रोहिणी
19 मुक्तावली व्रत

माह के शुभ मुहूर्त

नवीन गृह प्रवेश– 4,5
घर नवीनीकरण– 4,5,24
पुराने/किराये के घर में प्रवेश– 4,5,27
वाहन खरीदी– 5,10,14,17,18,24,28
घरजमीनखरीदना–3,26,27,29
शिलन्यास मुहूर्त– 3,4,5
मशीनरी प्रारंभ– 10,17,24,27,28
शिशु को प्रथम देवदर्शन– 4,5,22,24,26
मुण्डन– 5,24,27,28
दुकान या कार्यालय प्रारंभ– 4,10,14,24,27
नामकरण–4,5,17,18,22,24
विद्यारम्भ–
शैक्षणिक संस्था में प्रवेश– 3,5,24
ट्यूबवेल कूपखनन– 7,22,26
शल्य चिकित्सा– 5,24,29
नवीन वस्त्र भूषण– 4,10,17,18,24
औषधी सेवन– 1,5,22,24,25,26,27,28,29

समाज की। समाज द्वारा। समाज के लिए

djainmahasabha | djainmahasabha | djainmahasabha | djainmahasabha | digjainmahasabha.org

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के पावन चरणों में नमन वंदन अभिनंदन। क्षमावाणी के पावन पर्व पर हृदय से क्षमा भाव

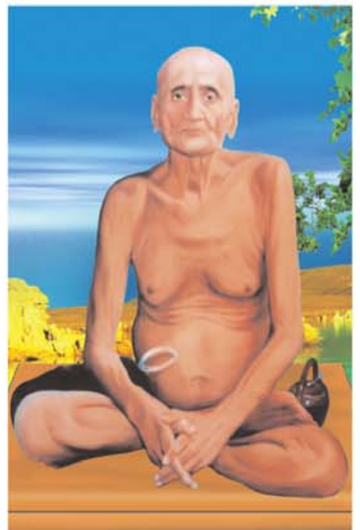
प.पू. चारित्र चक्रवर्ती आचार्य 108 श्री शान्तिसागरजी महाराज

प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी महाराज

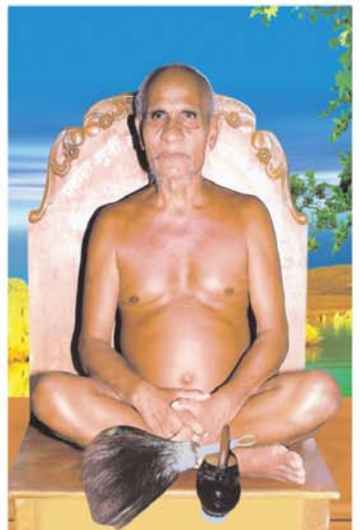
प.पू. षष्ट्म पट्टाचार्य 108 श्री अभिनंदनसागर जी महाराज

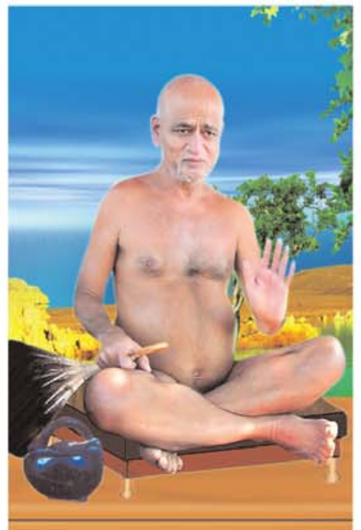
प.पू. संत शिरोमणि आचार्य 108 श्री विद्यासागर जी महाराज

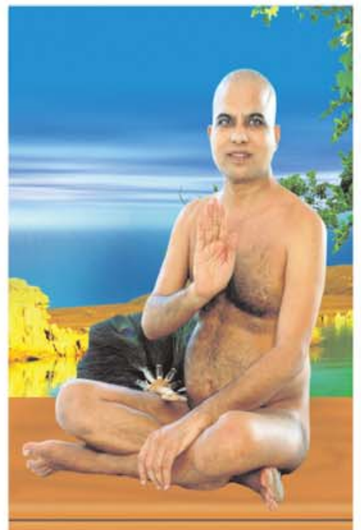
प.पू. आचार्य 108 श्री विरागसागर जी महाराज

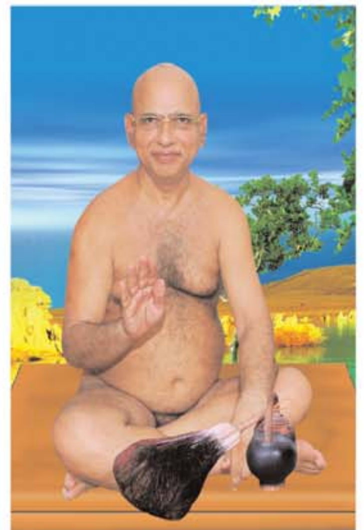
प.पू. आचार्य 108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज

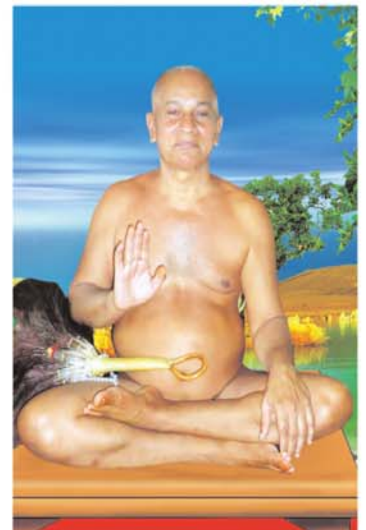
प.पू. गणधराचार्य 108 श्री कुन्थुसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री पुष्पदन्तसागर जी महाराज

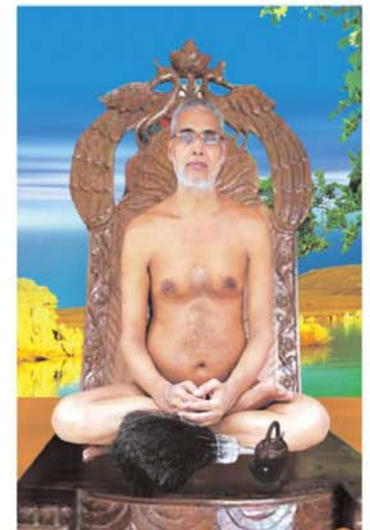
प.पू. वर्तमान पट्टाचार्य 108 श्री अनेकान्तसागर जी महाराज

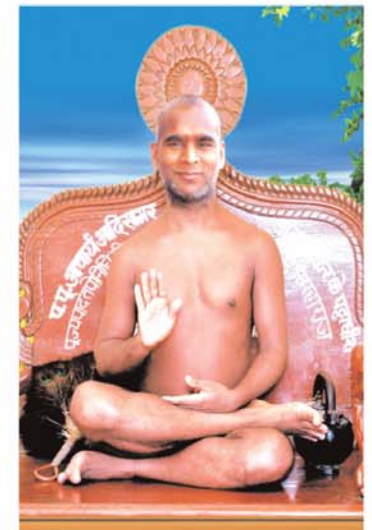
प.पू. आचार्य 108 श्री सुनीलसागर जी महाराज

परम पूज्य भारत गौरव
आचार्य श्री पुलकसागर जी महाराज

प.पू. आचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी महाराज

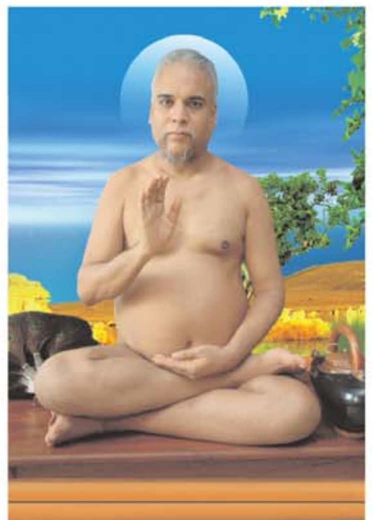
प.पू. आचार्य 108 श्री देवनन्दी जी महाराज

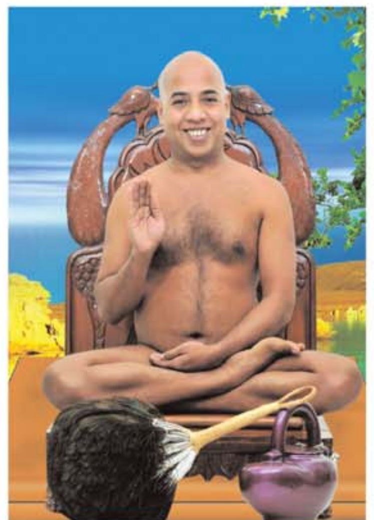
प.पू. आचार्य 108 श्री गुप्तिनन्दी जी महाराज

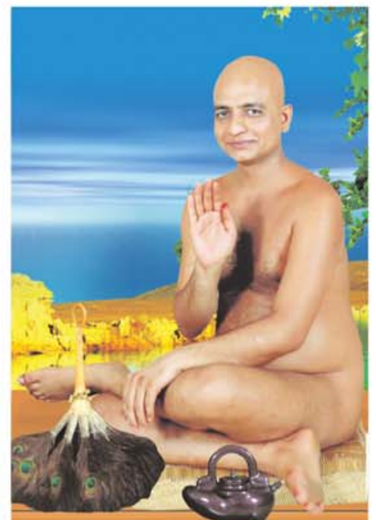
प.पू. आचार्य 108 श्री प्रसन्नसागर जी महाराज

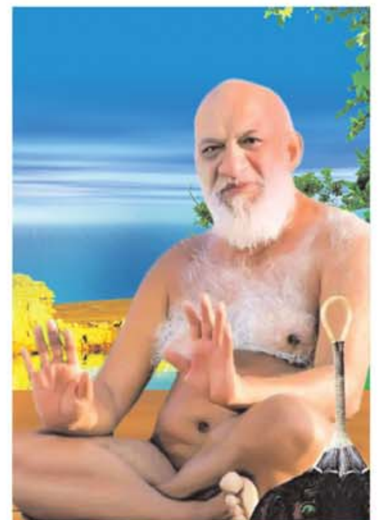
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

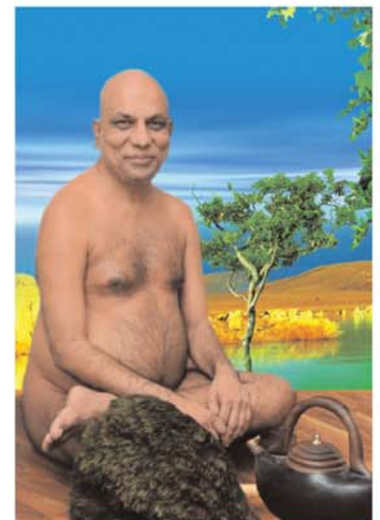
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री प्रमाणसागर जी महाराज

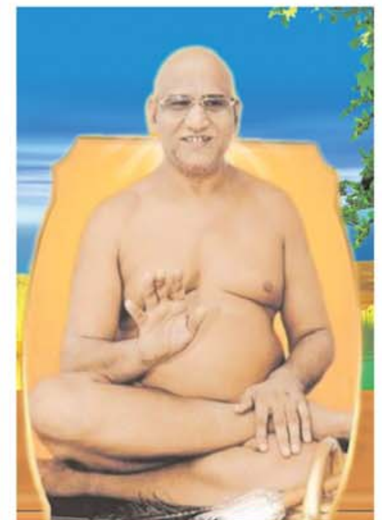
प.पू. मुनि पुंगव 108 श्री पुण्यसागर जी महाराज

प.पू. मुनि 108 श्री आदित्यसागर जी महाराज

उत्तम क्षमा

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 ज्ञानमती माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विशुद्धमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुप्रकाशमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 पूर्णमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 विन्ध्यश्री माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 सुभूषणमति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 चन्दनामति माताजी

प.पू. गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी

स्वस्तिश्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी

स्वस्तिश्री चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी

पं. मधुकान्त जोशी
(व्यवस्थापक)

मेवाड़ केटर्स

म.नं. 21, सखवाल नगर (रंगकारखाना) राम मंदिर, रतलाम (म.प्र.)
मो. 9981888980, 9425355761, 07412-235232

Best Food I Super Vision I Catering Service

मंदिर, पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव तथा अन्य मांगलिक उत्सवों पर शुद्ध सात्विक भोजन बनाने की सम्पूर्ण व्यवस्था

आत्म शुद्धि के के महापर्व पर्यूषण के सानन्द सम्पन्न होने पर गत वर्ष में जाने-अनजाने में, राग-द्वेष पूर्वक मन वचन और काय से यदि आपका दिल दुखाया हो कोई दुःख पहुँचाया हो तो सच्चे हृदय से क्षमा याचना करते हैं।

श्री नितिन भैयाजी, सीपुर

श्रद्धेय स्वामी देवेन्द्र भैयाजी

हमारे द्वारा वर्ष भर में हुई गल्तियों के लिए क्षमावाणी पर आपसे क्षमा चाहते हैं

क्षमाप्रार्थी

कमलेश जैन सोगानी
(धर्मोदय तीर्थक्षेत्र गम्भीरा के मंत्री) श्रीमती सुमन जैन सौगानी (पुत्र) निलेश-श्रीमती आकांक्षा जैन, अखिलेश जैन-अध्यक्ष भारतीय जनता युवा मोर्चा, जिला-बूंदी 9414963007 (पौत्र) तनमय, मेहुल जैन

नोटः हमारे यहां पर प्रोपर्टी एवं भूमि, प्लाट का क्रय-विक्रय का कार्य सन्तोषप्रद होता है।

श्री 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना, जिला-टोंक (राजस्थान)

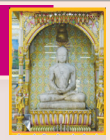

हमारे द्वारा जाने-अनजाने में प्रमादवश पर्युषण महापर्व पर निक मात्र भी कष्ट के लिये क्षमा चाहते हैं

-: आचार्य इन्द्रनंदी जी महाराज समस्त ससंघ को त्रिकाल नमोस्तु :-

अध्यक्ष	मंत्री	कोषाध्यक्ष
श्री प्रकाशचन्द जी सोनी सांखना मो. 9414558485	प्यारचन्द जैन, छान मो. 9829108025	मनीष जैन बज देवड़ावास मो. 9929382623

।। यह क्षेत्र दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की की ओर अग्रसर हो रहा है यह सब जुझारू अध्यक्ष प्रकाश जी सोनी व कार्यकारिणी का अथक प्रयास का ही फल है।।

आयोजकः श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सांखना (टोंक) राज.

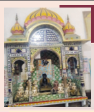

श्री दिगम्बर खण्डेलवाल सरावगी तेरहपंथ जैन मन्दिर, नैनवां, जिला-बूंदी

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

1008 पारसनाथ भगवान की ऐसी अद्भुत प्रतिमा जिनालय में है जिसके 3 वर्ष तक नियमित भक्तामर का पाठ संपन्न हो गए हैं

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

अध्यक्ष
दिनेश जैन ठोलिया-
9214680545

उपाध्यक्षः महावीर कुमार सरावगी - 9414963129
संयोजकः सूरज जैन बैद - 9214824678
कोषाध्यक्षः प्रदीप जैन बजाज -9829500779
कार्यकारिणी सदस्यः राजकुमार कटारिया, छोटुलाल जैन शाह, राजेन्द्र बैद, सुनिल बैद, अशोक पाटोदी

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

अरूण शाह श्रीमती ज्योति शाह
(भारतीय जीवन बीमा विकास अधिकारी, जयपुर, उपाध्यक्ष-श्री दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म गायत्री नगर, जयपुर, सदस्य-संस्कृत महाविद्याय, जयपुर, सदस्य-महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्, जयपुर), आलोक शाह-प्रमिला शाह, मेजर अर्जित शाह-स्नेहा शाह (पुत्र-पुत्रवधु), विरल शाह (पुत्र), आयुषी - अनिमेष जी सेठी (बेटी-दामाद) व समस्त शाह परिवार, जयपुर

आवासः सुधा जीवन, 299-गायत्री नगर ए, महारानी फार्म, दुर्गापुरा-302016, 9829059365

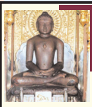

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित - शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

अमरचंद दीवान-उषा दीवान

मंत्री-श्री चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र चन्द्रगिरी बैनाड़, कोषाध्यक्ष-राजस्थान जैन सभा, अध्यक्ष-जैन सोश्यल ग्रुप अरिहन्त, संयोजक-श्री दि. जैन पदयात्रा संघ 2011, सदस्य-वीर सेवक मंडल, कार्यकारिणी सदस्य-श्री दि. जैन एकता मंच जयपुर
स्व. श्रीमती विमला देवी जैन धर्मपत्नी श्री निहालचंद जी जैन के परिवारजन
अमर चंद दीवान-उषा दीवान, नेमीचन्द-ज्योति (पुत्र-वधु), शुभम-सुधा (पौत्र-पौत्रवधु) अंशुल, नैतिक, रचित (पौत्र) दिव्या-मयूर जी जैन (पौत्री दामाद) सहित समस्त दीवान परिवार खोरा बीसल, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 मो. 9928852440

क्षमावाणी पर्व पर विगत् वर्ष में हुई भूलों के लिये आप सभी से

हार्दिक क्षमा

शुभाकांक्षी

महावीर कुमार सरावगी
(जैन गजट संवाददाता, नैनवां) श्रीमती गुणमाला, अविनाश, दिव्या, नितिन, चारू, प्राक्षी, अर्हम, अयांशी जैन बैद सहित समस्त परिवारजन, नैनवां

जैन समाज के सभी विज्ञापन/समाचारों के प्रकाशन हेतु सम्पर्क करें सुरेश नगर, 16/17, दुर्गापुरा जैन मंदिर के पास, जयपुर मो. 9414963129

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

शुभाकांक्षी

श्रीमती आशा जैन धर्मपत्नी स्व. सुकुमार जैन, सुरेश कुमार-सुशीला जैन, तेज प्रकाश-तिलका, विकास-सुप्रिया, धवल-खुशबू, कुणाल, अतिशय, अमोल व काश्वी सहित समस्त सोनी परिवार उदयपुर वाले, जयपुर (राज.)

निवासः सी-49, खादी कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर - 302015 36, तारानगर विस्तार जगतपुरा, जयपुर मो. 9252750400

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन साधु संतों के पावन चरणों में कोटिशः हार्दिक नमन् वंदन अभिनंदन क्षमा पर्व पर हार्दिक क्षमायाचना सहित

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

जैन केटर्स एण्ड टेन्ट हाउस
सन् 1977 से आपकी सेवा में सादर समर्पित
Specialist Rajasthani Bottem Mahfil & White House (Panda)

कमल कुमार जैन 9462462271

शीतल कुमार जैन 9660942271

आपके बजट के अनुकुल टेन्ट, लाईट, हलवाई, कार्य हेतू व्यवस्था के लिए सम्पर्क करें। डॉ. रामकुमार के सामने गली में मकान, छावनी, कोटा (राज.) 324005

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन साधु संतों के पावन चरणों में कोटिशः हार्दिक नमन् वंदन अभिनंदन, क्षमा पर्व पर हार्दिक क्षमायाचना

सुखी रहें सब जीव जगत के, कोई कभी न घबराये,
बैर-पाप-अभिमान छोड़कर, नित्य नये मंगल गायें।

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

श्रीमती शंकुतला देवी पाण्ड्या
विरेन्द्र पाण्ड्या-श्रीमती सोनिया पाण्ड्या
हर्ष कोविद-वृंदा
देव छाया, 705 प्रताप नगर, दादाबाड़ी, कोटा (राज.) 324009
मो. 9829035223

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन साधु संतों के पावन चरणों में नमन् वंदन

क्षमाप्रार्थी/शुभाकांक्षी

श्री 1008 वासुपूज्य दिगम्बर जैन मंदिर विकास समिति (रजि.)

अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
संजय जैन बाकलीवाल मो. 9414188225	निर्मल जैन (कोटिया) मो. 9610415155	राजेन्द्र जैन (ठोरा) मो. 9829093660

समस्त कार्यकारिणी के सदस्यगण
महिला मंडल, युवा मंडल एवं जैन समाज, कृष्णा नगर, कोटा

सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान दिगम्बर जैन साधु संतों के पावन चरणों में कोटिशः हार्दिक नमन् वंदन अभिनंदन क्षमा पर्व पर हार्दिक क्षमायाचना

क्षमाप्रार्थी/शुभाकांक्षी

Annu Agrotech Pvt. Ltd.
Shah Agrogreen Pvt. Ltd.
Manohar Lal-Chelna Devi
C A Dharm Chand-Shweta jain
Anupreksha, Anubhav Shah Parivar
(Nasirda Wale) E-814, Indra Vihar Kota
(Raj.)324007/324005
Mob-
9829037583/9352537583/9314457583/9829263445

प.पू. आर्यिका 105 श्री सुपार्श्वमति माता जी

प.पू. आर्यिका 105 श्री गरिमामति माता जी

प.पू. आर्यिका 105 श्री गम्भीरमति माता जी

दिगम्बर जैन समाज के प्रमुख श्री दशलक्षण पर्व समारोह की सानन्द सम्पन्नता पर आत्मशुद्धि के महापर्व क्षमावाणी के अवसर पर विगत वर्ष में हमसे जाने-अनजाने में मन-वचन-काय से हुई भूलों के लिए अपने अन्तःकरण को निर्मल करते हुए आप सभी से हृदय से क्षमाप्रार्थी हैं तथा सभी जीवों पर क्षमाभाव रखते हैं।

दिसपुर गुवाहाटी के दानवीर धर्मात्मा

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

श्रीमती बोबी चूड़ीवाल दिसपुर गुवाहाटी
विमलचंद प्रेमचंदजी बड़जात्या किशनगढ
शीलचंद छविकुमार सेठी परिवार डिमापुर
राज प्रियल गुणांश, पिच्छिका पहाडिया, रंगिया
संजय ज्योति बड़जात्या परिवार दिसपुर गुवाहाटी

जयकुमार नवीन कुमार गंगवाल चकवाडा
आराध्या चूडीवाल दिसपुर गुवाहाटी
विनीत-मोनिका बड़जात्या दिसपुर गुवाहाटी
नीतेश-निशान्त पाण्ड्या जोरहाट
सुहानी याशिका चूडीवाल दिसपुर गुवाहाटी

अक्षत साक्षी बड़जात्या मदनगंज किशनगढ़
वसंत सुमन पाण्ड्या गुवाहाटी
प्रवीण कुमार बेला चूडीवाल दिसपुर गुवाहाटी
गरिमा गंभीर भक्त परिवार
बा.ब्र. उन्नति दीदी, कुसुम अम्मा आ. गरिमा गंभीरमति संघस्था

श्रीमती पिंकी दीदी काला दिसपुर गुवाहाटी
गुप्त सज्जन दिसपुर गुवाहाटी
श्रीमती सुनिता काला दिसपुर गुवाहाटी
सरोज कुमार रानी चूडीवाल दिसपुर गुवाहाटी
अशोक जी अमित अभिषेक चूडीवाल परिवार

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com
हेड ऑफिस-मदनगंज किशनगढ़, ब्रांच आफिस- जयपुर, इंदौर, सुरत, बाम्बे, कोलकाता, गुवाहाटी

!! वन्दे विरागसागरम् !! !! श्री महावीराय नमः !! !! वन्दे विनिश्चयसागरम् !!

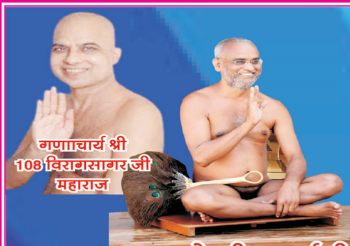

गणाचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज

प.पू. वाक्केशरी आचार्य श्री 108 विनिश्चियसागर जी महाराज

मूलनायक श्री 1008 महावीर भगवान

दसवाँ विनिश्चयमय पावन वर्षायोग 2025

स्थान:- श्री शांतिवीर जैन धर्मस्थल बस स्टेण्ड नैनवाँ जिला-बून्दी (राज.)

साधर्मी बन्धुवर, सादर जय जिनेन्द्र !

कई वर्षों का पुण्य जब उदय में आता है तो चातुर्मास का पुण्ययोग बनता है। इसी प्रबल पुण्ययोग के निमित्त आचार्य श्री 108 विरागसागर जी महाराज के शिष्य परम पूज्य वाक्केशरी आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 प्रज्ञानसागर जी महाराज, मुनि श्री 108 प्रसिद्ध सागर जी महाराज का पावन वर्षायोग -2025 धर्म परायण नगरी नैनवाँ जिला-बून्दी में होने जा रहा है। अत: इस पावन वर्षायोग में आयोजित समस्त मांगलिक कार्यक्रमों में पधारकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

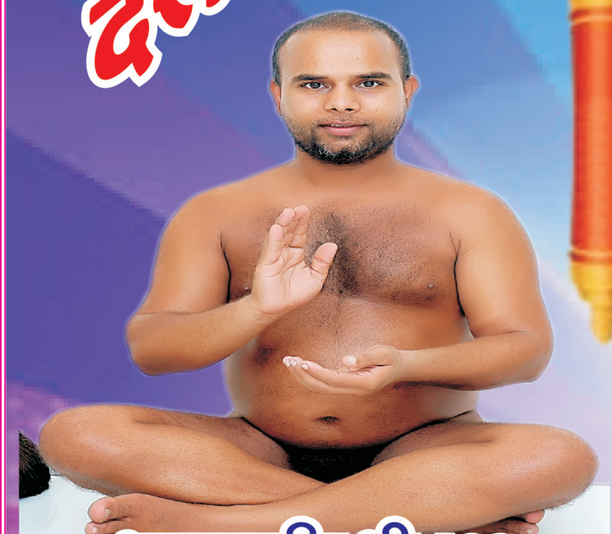

श्रमण मुनि श्री 108 प्रज्ञानसागर जी महाराज

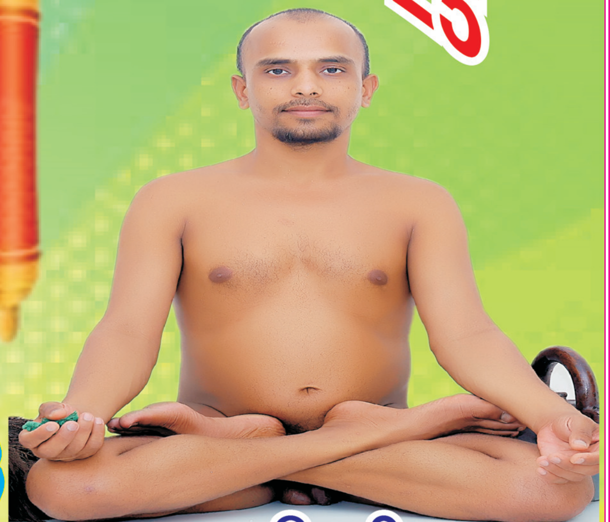

श्रमण मुनि श्री 108 प्रसिद्धसागर जी महाराज

ध्वजारोहणकर्ता

श्री प्रदीप कुमार, शोभित कुमार, शुभम्, प्राशु, चेवी, वर्धमान, निया, गुणांश (बंसल) गुढ़ावाला

परम पूज्य वाक्केशरी आचार्य श्री 108 विनिश्चियसागर जी महाराज का पावन चातुर्मास रामगंज मण्डी में चल रहा है।

मुख्य मंगल कलश

श्री मोहनलाल, कमल कुमार, मनीष कुमार, अनीश कुमार, रविन कुमार, शुभम् कुमार,अर्चित, वंश, कुन्थ जैन मारवाड़ा

सम्यक् दर्शन कलश

श्री शैलेन्द्र कुमार-श्रीमती सीमा जैन अरिहंत जैन, सिद्ध जैन मारवाड़ा

सम्यक् ज्ञान कलश

श्री संजय कुमार-श्रीमती अलका जैन CA अदिति जैन, ऋषभ जैन मारवाड़ा

सम्यक् चारित्र कलश

श्री प्रवीण कुमार-श्रीमती प्रेमलता जैन प्रियंक कुमार-श्रीमती नेहा जैन कु. सौम्या जैन, युवराज जैन सरावगी

कलश स्थापना, गुरू पूर्णिमा (10 जुलाई)
वीरशासन जयन्ती (11 जुलाई)
35 दिवसीय महामंत्र णमोकार विधान
(14 जुलाई से 17 अगस्त)

मोक्ष सप्तमी (31 जुलाई)
जन्मदिवस, प्रज्ञानसागर जी(2 अगस्त)
रक्षाबन्धन विधान(7 से 9 अगस्त)
युवा सेमिनार, दम्पति सेमिनार

पयूर्षण महापर्व (28 अगस्त से 5 सितम्बर)
नवरात्रा नवग्रह विधान (22 सितम्बर से 02 अक्टूबर)
(विशेष आराध्य)
भगवान महावीर निर्वाणोत्सव (21 अक्टूबर)

आचार्य आदिसागर कलश

श्री बाबूलाल जैन-श्रीमती मोहनी देवी हितेश कुमार-श्रीमती टीना जैन आगम जैन बरमूण्डा

आचार्य विमलसागर कलश

श्रीमती भंवरी देवी, विनोद कुमार, महेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, भावेश कुमार जैन बरमुण्ड़ा

आचार्य सन्मतिसागर कलश

श्री प्रेमचन्द जैन, महेन्द्र कुमार मनोज कुमार, बुद्धिप्रकाश जैन ठग, बोहरा

आचार्य विरागसागर कलश

श्री विनोद कुमार-श्रीमती मोनिका जैन, निमित कुमार-दीक्षा जैन, सुमित कुमार, अमित कुमार जैन मारवाड़ा

आचार्य विनिश्चयसागर कलश

श्री महावीर प्रसाद, पदम कुमार, सुरेश कुमार, दिनेश कुमार, मनीष कुमार, राजेश कुमार जैन मोडिका

दैनिक कार्यक्रम

प्रात: 6.30 बजे	पंचामृत अभिषेक, शांतिधारा
प्रात: 8.30 बजे	मुनि श्री के प्रवचन
सायं 6.30 बजे	गुरूभक्ति, महाआरती
सायं 7.30 बजे	शास्त्र सभा

तीर्थंकर कलश:-

श्री महावीर प्रसाद, सुनिल कुमार, अनिल कुमार बरमुण्ड़ा
श्री चौथमल, ज्ञानचन्द, हुकमचन्द, मुकेश कुमार हरसोरा
श्री कमल कुमार, अनिल कुमार, CA चिन्टू कुमार, सोनू कुमार कन्दोई
श्री महावीर प्रसाद, पदम कुमार, सुरेश कुमार जैन मोडिका
श्री पारस कुमार, रमेश कुमार, शम्भू कुमार मोडिका
श्री अशोक कुमार (अध्यापक), सक्षम जैन
श्री सुरेश कुमार, अंकित कुमार, अविनाश कुमार मारवाड़ा
श्री राजेन्द्र कुमार, जिनेन्द्र कुमार, चिन्मय कुमार आवां वाले
श्रीमती शान्ति देवी, ललित कुमार, विमल कुमार, महावीर कुमार बाछौला वाले
श्री नाथूलाल, कमल कुमार, नरेश कुमार, राकेश कुमार मोडिका
श्री अनिल कुमार, सुनिल कुमार हरसोरा
श्री ओमप्रकाश, पारस कुमार, महेन्द्र कुमार, राकेश कुमार, अंशुल कुमार मारवाड़ा
श्री नेती कुमार, प्रदीप कुमार, विजय कुमार, आर्जव कुमार मित्तल
श्री विमल कुमार, अभय कुमार, राजेश कुमार, जिनेश कुमार, मिन्टेश कुमार, कमल कुमार गुढ़ावाले
श्री पदम कुमार, महावीर कुमार, राजेश कुमार, अंकित कुमार लवादर वाले
श्री मोहनलाल, भावेश कुमार, मनीत कुमार गर्ग
श्री कमल कुमार, मनोज कुमार, दीक्षान्त कुमार, क्रिश कुमार (उनियारा वाले) नैनवाँ
श्री राजेन्द्र कुमार, प्रमोद कुमार, अमित कुमार, दक्ष कुमार जैन शाह
श्री पारस कुमार, जितेन्द्र कुमार मोडिका (नमो)
श्री भागचन्द, मनीष कुमार, दिवयांश, नितिन कुमार, गोरांश जैन मोडिका

Sunday अभिषेक

मंगलमय प्रवचन पारस पारस चैनल पर

पावन वर्षायोग समिति:-

निर्देशक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	प्रचार मंत्री	सह मंत्री
विनोद कुमार जैन मारवाड़ा	विनोद कुमार जैन बरमुण्ड़ा	रमेश कुमार जैन मोडिका	नेतीकुमार जैन मित्तल	महावीर कुमार सरावगी	विनोद कुमार वेद

शैलेन्द्र जैन मारवाड़ा, आशीष जैन मोडिका, पारस कुमार मारवाड़ा, अभिषेक ठग, धर्मचन्द मोडिका, सुनील मोडिका TVS, इन्द्र कुमार मित्तल, पंकज हरसोरा,

सकल दि. जैन बीस पंथ समाज समिति:- अध्यक्ष कमल कुमार जैन मारवाड़ा | कोषाध्यक्ष अशोक कुमार जैन (अध्यापक) | मंत्री ज्ञानचन्द जैन हरसोरा

मंच संचालन समिति:- मोहन लाल मारवाड़ा
पूजन सामग्री:- निर्मल कुमार मोडिका, राकेश कुमार मारवाड़ा
जल व्यवस्था:- रवि ठग, लवि मारवाड़ा
सोशल मीडिया प्रभारी:- सतीश सेठिया, सुनिल मारवाड़ा, टोनी मित्तल
दिशा जंगल(शौच):- महेन्द्र सेठिया, महेन्द्र बरमुण्ड़ा, अंकित हरसोरा, जम्बू हरसोरा
आहार व्यवस्था:- विकास मित्तल, जम्बू सेठिया
आवास व्यवस्था:- महेश कन्दोई, अनिश मारवाड़ा
भोजन व्यवस्था:- नरेश मोडिका, भावेश गर्ग, संजय मारवाड़ा, जैनपाल बोहरा, कालू बरमुण्ड़ा, पंकज गुढ़ावाला, महावीर लवादर वाला, बुद्धिप्रकाश मोडिका, निर्मल पाटनी, विजय मित्तल, सुनिल मोडिका

विशेष नोट:- समस्त कार्यक्रम बीस पंथ आमनाय से सम्पन्न होगें।

आयोजक:- सकल दि. जैन बीस पंथ समाज, नैनवाँ

निवेदक:- सकल दि. जैन समाज, नैनवाँ

नैनवाँ पहुंचने का मार्ग:- कोटा से 90 किमी., बून्दी से 60 किमी., के.पाटन से 60 किमी, स.माधोपुर से 60 किमी, टोंक से 55 किमी
निकटतम दर्शनीय स्थल:-गम्भीरा(8), बनेठा(35) आवां (35), सांखना(35), निमोला (35), मेहन्दवास (40), के. पाटन(70), आलनपुर(स.माधोपुर, 50)

नोट:- बाहर से पधारने वाले सभी साधर्मी बन्धुओं के भोजन व आवास की व्यवस्था रखी गई है।

सम्पर्क सूत्र:- 9214962870, 9460194414, 9214408656, 9414963136, 9414963129, 9530086818

सुरभि ऑफसेट/फ्लेक्स नैनवाँ 9829500990

धार्मिक/सामाजिक आयोजनों में
जैन गज़ट को दानराशि भेजना न भूले

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मेरे पिताजी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। दवाई भी काम नहीं कर रही है, क्या करें - अंजली जैन, अम्बाला

उत्तर - अंजली जी, श्री भक्तामर स्तोत्र का 45वां काव्य रोग, शोक नाशक होता है। आपको चाहिये कि गिलास में पानी लेकर श्री भक्तामर स्तोत्र के 45वें काव्य को 45 बार पढ़ें तथा वही पानी अपने पिताजी को पीने के लिये दें, अवश्य लाभ होगा।

प्रश्न 2. मेरा बेटा पढ़ाई में कमजोर है, कुछ भी याद नहीं रहता। क्या भक्तामर स्तोत्र का कोई सा काव्य हम पढ़ सकते हैं - नीना जैन, रोहणी, दिल्ली

उत्तर - नीना जी, श्री भक्तामर जी का 6वां काव्य स्मरण शक्ति बढ़ाने वाला होता है। आप अपने बेटे को रोजाना 6 बार सुनायें।

प्रश्न 3. गुरूजी जय जिनेन्द्र, क्या भक्तामर स्तोत्र को शाम को भी पढ़ सकते हैं - अनुज, हरिद्वार

उत्तर - अनुज जी, श्री भक्तामर स्तोत्र को विशेष स्थिति में कभी भी पढ़ सकते हैं।

प्रश्न 4. व्यापार में नुकसान हो रहा है। काफी प्रयास कर चुके हैं - प्रीतम जैन, नागपुर (महा.)

उत्तर - व्यापार के स्थान पर श्री भक्तामर जी के 28वें काव्य का यंत्र स्थापित कर 28वां काव्य रोजाना 28 या 10 बार हल्की आवाज में पढ़ें, अवश्य लाभ होगा।

गुरु जी से संपर्क सूत्र-
9990402062
826755078

विद्याधर जीवन पथ

भव्य झांकी का आयोजन

पारस जैन, कोटा संवाददाता

कोटा। श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर विकास समिति, कृष्णा नगर के तत्वावधान में 'विद्याधर जीवन पथ' शीर्षक पर भव्य एवं मनोरम झांकी का आयोजन किया गया। आकर्षक झांकी का उद्घाटन भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राकेश जैन मड़िया, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलनकर्ता श्री मनोज जी जैसवाल एवं झांकी उद्घाटन कर्ता श्री दर्पण जी कासलीवाल के द्वारा हर्षोल्लास के वातावरण में सम्पन्न हुआ। पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने बताया कि इस अवसर पर वासुपूज्य युवा मंडल द्वारा भव्य झांकी की विशेष प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जन समुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। समिति अध्यक्ष श्री संजय जी बाकलीवाल, महामंत्री श्री निर्मल जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजेंद्र जी, सहसचिव श्री सचिन कुमार जैन गोधा सहित समिति पदाधिकारियों ने आगंतुकों का स्वागत किया। वहीं वासुपूज्य युवा मंडल अध्यक्ष सुमित जैन, महामंत्री श्री शुभम पाटनी, कोषाध्यक्ष श्री अक्षय जैन, श्री मयंक जैन, वर्षल तथा महिला मंडल के सहयोग से कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान किया गया। अध्यक्ष संजय बाकलीवाल ने बताया कि वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में 2 सितम्बर को प्रातः 8:00 बजे कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान का आयोजन भी किया गया, जो कि ब्रह्मचारी श्री सुनील जी शास्त्री निर्मोही के तत्वावधान में भक्तिभाव एवं धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस विधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर समाजबंधु, वरिष्ठजन, सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिलाओं की उल्लेखनीय सहभागिता रही। झांकी एवं विधान ने न केवल धार्मिक भावनाओं को जागृत किया बल्कि समाज में संगठन और संस्कृति का अद्भुत संदेश भी दिया। पारस जैन 'पार्श्वमणि' ने बताया कि सबसे बड़ी बात यह रही कि संत शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित ये झांकी उनके जीवन काल के दिग्दर्शन करती हुई श्रद्धालुओं के अंतर्मन को छू गई ! भाग्योदय तीर्थ, दयोदय तीर्थ, प्रतिभास्थली मूकमाटी, हथकरघा, शांतिधारा, 'इंडिया नहीं भारत बोलें' जैसे संदेश और योजनाओं के बारे में बारीकी से बताया गया।

जैन मुनि प्रज्ञान सागर, प्रसिद्ध सागर जी ने वर्षायोग में रचाया नया इतिहास

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के परम प्रभावक दो युवा शिष्यों ने पूरे बूंदी जिले को धर्ममय बना दिया, वर्तमान में श्रमण प्रज्ञान सागर जी, श्रमण प्रसिद्ध सागर जी नैनवां में वर्षायोग कर रहे हैं। सर्वप्रथम आचार्य सुंदर सागर महाराज का मिलन नैनवां जिला बूंदी की धरती पर हुआ। 26 जून को गुरुदेव का अवतरण दिवस अपार धर्म प्रभावना से संपन्न हुआ, उसके बाद सिद्धचक्र महामंडल विधान की भव्य यात्रा विराट रूप से पूरे नगर में निकाली गई। चातुर्मास का मुख्य केंद्र रहा प्रत्येक रविवार को छोटे-छोटे बच्चों को भगवान का अभिषेक, मुनि श्री के सानिध्य में 10 जिनालयों में संपन्न हो रहा है। यह धर्म की बहुत बड़ी प्रभावना नैनवां नगरी में हो रही है। आगामी कार्यक्रमों में जैन दम्पति सेमिनार, माता-पिता का सम्मान समारोह, अष्ट मूल गुण ग्रहण समारोह, भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव का होगा भव्य आयोजन।

उत्तम संयम अपनी आत्मा को तपाकर परमात्मा बनाने वाला धर्म

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां, 2 सितंबर। मुनि श्री प्रज्ञानसागर महाराज ने बताया कि उत्तम संयम धर्म अपनी आत्मा को तपाकर परमात्मा बनाने वाला धर्म है। संसारी भोगों से आत्मा पर इतना कूड़ा करकट जम गया उसे साफकरने के लिए यह पर्यूषण पर्व का पावन जल ही हमारी आत्मा को उत्तम कर सकता है। पूरी जिंदगी हमारी भोगों को भोगते हो गई लेकिन हमने कभी संयम धारण किया ही नहीं।

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगबर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एसप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर लोर मिल्स कपाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, सपादक -सुधेश कुमार जैन

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
डॉ. सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, 5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता
वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन
देने हेतु सम्पर्क-
7607921391, 7505102419
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल
jaingazette2@gmail.com
पर भेजें

गायों को खिलाया चारा

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर। शहर में मीना देवी ट्रस्ट द्वारा दशलक्षण महापर्व के शुभ अवसर पर मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर के संयुक्त तत्वाधान में ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन की पूजनीय माताजी परम श्रद्धेय स्व. श्रीमती कंचन बाई जी जैन की पुण्य तिथि पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। श्रीमती कंचन देवी जैन सरल स्वभावी, मृदुभाषी, देव, शास्त्र, गुरु में परम आस्था रखने वाली ममतामयी मां की 37 वीं पुण्य स्मृति पर दुर्गापुरा गौशाला में गायों को गुड, चारा खिलाया गया जिसमें श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस राजावत फॉर्म के महामंत्री सौभागमल जैन, जैन सोशल ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष एवं जयपुर के प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य विनोद जैन, (शास्त्री), देवेंद्र गंगवाल, सेन समाज के श्री अनिल सेन एवं कई सदस्यों सहित दुर्गापुरा गौशाला में गायों को चारा और गुड़ वितरण किया गया। मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्ञानचंद जैन ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा गरीबों को निःशुल्क भोजन, गायों को गौशाला में चारा वितरण, पक्षियों को चुग्गा दाना एवं मानव सेवार्थ में प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए निःशुल्क रक्तदान की व्यवस्था भी की जाती रही है।

फागी में पर्यूषण पर्व

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

दसलक्षण महामंडल विधान में सौधर्म इन्द्र परिवार के राजाबाबू-चित्रा गोधा, उदित -पूर्णिमा गोधा श्रीफलों से विधान मंडल पर अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना करते हुए

फागी कस्बे के पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आर्यिका सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में अग्रवाल सेवा सदन में दसलक्षण महापर्व के पावन अवसर पर उत्तम मार्दव धर्म की पूजा हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में चातुर्मास समिति के अध्यक्ष मोहनलाल झंडा एवं चातुर्मास समिति के महामंत्री विनोद कुमार मोदी ने शिरकत करते हुए बताया कि कार्यक्रम में सौधर्म इंद्र परिवार के राजाबाबू -चित्रा गोधा, उदित-पूर्णिमा गोधा परिवार नारेडा वालों ने श्री जी की महा शांति धारा करने के बाद उत्तम मार्दव धर्म की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की।

सुगन्ध दशमी पर धूप खेवन से महके जिनालय

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

जयपुर, 2 सितम्बर। सांगानेर थाना क्षेत्र के चित्रकूट कालोनी के कंवर का बाग में पर्यूषण पर्व पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम में आचार्य सुंदर सागर महाराज ने सुगंध दशमी पर अपने मंगल प्रवचनों में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अगर आपके तन से खुशबू आए तो बड़ी बात नहीं है क्योंकि वह खुशबू तात्कालिक है इसीलिए संयमित जीवन जीकर अपने व्यक्तित्व को ऐसा बनाओ कि उसकी महक सारे समाज में प्रसारित हो।

हमारे द्वारा जाने अनजाने में मन वचन और काया से आपको दुख पहुंचाया हो तो पर्यूषण महापर्व पर हम आपसे क्षमा याचना करते हैं।

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

स्वर्गीय श्री केसरमल जी एवं स्व. श्रीमती पाना देवी पांड्या जैन के परिवारजन खोरा बिसल वाले

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री निर्मल कुमार जैन (पाण्ड्या)
➡ पूर्व सरपंच ➡ अध्यक्ष-जैन सोशल ग्रुप सिद्धा
➡ पूर्व उपाध्यक्ष-आमेर सरपंच परिषद्
➡ पूर्व अध्यक्ष - श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा
➡ मुख्य समन्वयक-श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा
➡ महासचिव -विद्याधर नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी
➡ उपाध्यक्ष- ब्लॉक कांग्रेस कमेटी झोटवाड़ा

श्रीमती तारा देवी जैन

➡ पूर्व सरपंच-खोरा बिसल ➡ पूर्व सदस्य-पंचायत समिति खोरा बिसल ➡ उपाध्यक्ष-श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल, झोटवाड़ा, अमित पाण्ड्या-श्रीमती रीना जैन (पुत्र-पुत्रवधु) ➡ उपाध्यक्ष-श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा नवयुवक मंडल, वाणी एवं मात्रा (पौत्री) कुमारी पूजा (पुत्री) ➡ अध्यक्ष-बालिका मंडल दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा

आवासः प्लाट नं. 49, अवधपुरी कॉलोनी, कांटा चौराहा, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 (राज.) मो. 9461413288, 8559966528, 9887244679

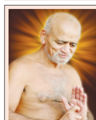

'क्षमा वीरस्य भूषणम'

हमारे द्वारा जाने अनजाने में मन वचन और काया से आपको दुख पहुंचाया हो तो पर्यूषण महापर्व पर हम आपसे क्षमा याचना करते हैं।

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

परम संरक्षक श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर

अश्विनी गोधा-श्रीमती मधु गोधा

अंशुल-श्रीमती पूर्वा, रोहन-सलोनी (पुत्र-पुत्रवधू), रुचिर एवं अद्विक (पौत्र) सहित समस्त गोधा परिवार नेमीसागर वैशाली नगर, जयपुर

आवासः 113, नेमी सागर कॉलोनी, वैशाली नगर जयपुर-302021 (राजस्थान)

हमारे द्वारा जाने अनजाने में मन वचन और काया से आपको दुख पहुंचाया हो तो पर्यूषण महापर्व पर हम आपसे क्षमा याचना करते हैं।

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

गुणमाला देवी-धर्मपत्नी स्व. श्री प्रकाश चंद जी काला एवं परिवारजन

सतीश-नीलिमा, एडवोकेट राजेश काला-संगीता काला (एडवोकेटः राजेश काला राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर) ➡ डायरेक्टर राजस्थान फाइनेंस कॉरपोरेशन उद्योग भवन जयपुर ➡ कार्यकारिणी सदस्यः राजस्थान जैन सभा ➡ कार्यकारिणी सदस्यः श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, मीरामार्ग जयपुर पंकज-मधु (पुत्र-पुत्रवधू), मधु-पवन, सरिता-युगल किशोर (बेटी-दामाद), रोनिल, भव्य, जिनेंद्र, दक्षा, यशस्वी, खुशबू (पौत्र, पौत्रियां) सहित समस्त काला परिवार जयपुर (राजस्थान)

आवासः 104/102, कबीर मार्ग, मानसरोवर जयपुर-302020 (राजस्थान) मो. 9829637400

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षों में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी

इन्जी पी. सी. छाबड़ा एवं तिलकमती जैन

➡ राष्ट्रीय महासचिव जैन इन्जीनियरिंग सोसायटी
➡ अध्यक्ष प्रयास राजस्थान सा.नि.वि.
➡ सदस्य राजस्थान इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्जीनियरिंग (इन्डिया)
➡ शिरोमणि संरक्षक दिगम्बर जैन महासमिति
➡ मु. संरक्षक अणुव्रत समिति
व अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं से जुड़े
डा. विपिन-अहिंसा, एडवो. विनीत-डा. संजोली, डा. वन्दना-इंजी. मोनिल जी सहित समस्त छाबड़ा परिवार, जयपुर

निवासः बी-53, जनता कॉलोनी, जयपुर-302004 मो. 9414052412

श्री स्व. माणक चंद जी गोयल जैन

लदाना वालों की 24 वीं पुण्य तिथि 04-09-2025 पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

जन्मदिन-09.12.1933
स्वर्गवास-04.09.2001

आपकी स्मृतियां आपकी छवि विस्मृत ना हो पायेंगी।
आपका व्यवहार आपकी बातें सदैव याद आयेंगी।।

-: श्रद्धासुमन अर्पितकर्ता :-

महावीर कुमार-श्रीमति सुनिता जैन, विनोद कुमार-श्रीमति शशि जैन, वीरेन्द्र कुमार-श्रीमति अल्का जैन (CA) (पुत्र-वधु), मंजू-शिखरचंद जी जैन, केकड़ी (पुत्री-दामाद), मितेश जैन-श्रीमति टीना जैन, अंकित-सुरभी, रवि-दीप्ती आशीष-ज्योति (पौत्र-पौत्रवधु), मीनू जैन-शिखर चंद जी जैन अजमेर, रीना जैन-योगेश जी जैन जयपुर, आस्था-अनुराग जी (पौत्री-दामाद), अनुषा जैन (RAS), एकांश (पौत्र-पौत्री), अक्षिता, तनवी, छवि, अयांश, अंशी (पड़पौत्र-पड़पौत्रियां) एवं समस्त गोयल परिवार लदाना वाले फागी जयपुर (राज.)

प्रतिष्ठानः ➡ गोदरेज व वोल्टास शोरूम, शान्तीनाथ इन्टरप्राइजेज, 70/72-AV टावर पटैल मार्ग, मानसरोवर जयपुर ➡ जैन बर्तन भंडार, फागी 9829061472

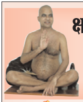

क्षमावाणी पर्व पर विगत वर्षो में हुई भूलों के लिये आप सभी से हार्दिक क्षमा याचना सहित

-: शुभाकांक्षी एवं क्षमा प्रार्थी :-

पारस जैन-श्रीमती राधा जैन

राहुल-नेहा जैन, राशु- रिचा जैन, रोहित आरती जैन सहित समस्त परिवारजन आगरा वाले, सिद्धार्थ नगर, जयपुर (राज.)

Radhika Jewelscraft (P) Ltd.
C-58, Ayodhya Enclave, Ground Floor, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur-302001
E-Mail : radhikajewels@yahoo.co.in
www.radhikajewels.in
Contect : (o) 0141-2364545
M : +91-9214014119

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत् वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

क्षमा प्रार्थी/शुभाकांक्षी

पूर्व अध्यक्ष JSG मानसरोवर
विनोद कुमार जैन
शास्त्री-ज्योतिषाचार्य
वास्तु एवं जन्मपत्री विशेषज्ञ
मो. 9828076193

Gungun Paradise Jewels
607, Nagorio ka Chowk, Bordi ka Rasta, Kishan Pol Bazar, Jaipur-302003
Vikram-9529490441,
Monoj-9314527732

क्षमावाणी के शुभ अवसर पर सम्पूर्ण भारतवर्ष में विराजमान साधुसन्तों के पावन चरणों में नमन

शुभाकांक्षी

श्रीमती तारामणी जैन धर्मपत्नी
स्व. बाबूलाल जी जैन
अक्षय जैन (मोदी)-रीना जैन, कृतिका-शुभम जी (पुत्री-दामाद), स्पर्श जैन (पुत्र) एवं समस्त मोदी परिवार

1. अध्यक्षः श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर, मधुबन कॉलोनी, जयपुर (राज.)
2. पूर्व सदस्यः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी 3. पूर्व महामंत्रीः राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग 4. पूर्व अध्यक्षः जैन सोशल ग्रुप वीनस

आवासः बी-24-ए, मधुबन कॉलोनी, किसान मार्ग टोंक फाटक, जयपुर-302015 मो. 9829256913

किसी का अच्छा सोचकर आपका ही अच्छा होता है

उदारता आपकी धन के प्रति अनासक्ति को दर्शाती है

विज्ञापन प्रेषकः R. K. Advertising मदनगंज किशनगढ़, द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2024-2026

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 9415108233,
7505102419, 7607921391 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,

....

....

....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।